NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 23 लखनऊ, रविवार 13 सितंबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी।

नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय वार्ता कर भारत की अध्यक्षता में चीन के सहयोग हेतु आभार जताया। राष्ट्रपति शी ने दोनों देशों के साझा विकास और सहयोग पर बल दिया। वहीं, समिट में सर्वसम्मति से नई दिल्ली घोषणापत्र अपनाकर पश्चिम एशिया के तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत करते हुए, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के समय चीन से मिले समर्थन और सहयोग के लिए उनका आभार जताया। शी के साथ बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा, ष्आपका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। ब्रिक्स समिट में आपकी सकारात्मक बातों के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन से मिले समर्थन और सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का मौका है। एक बार फिर, भारत में आपका गर्मजोशी से स्वागत है। राष्ट्रपति शी ने अपने संबोधन में कहा कि चीन और भारत एक–दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं और मिलकर विकास कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों से ब्रिक्स सहयोग को और बेहतर बनाने और उच्च–गुणवत्ता वाले विकास के लिए साथ मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। इससे पहले, ब्रिक्स देशों ने सर्वसम्मति से श्नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को अपनाया। इसमें पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई गई और अधिकतम संयम बरतने तथा ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचने का आह्वान किया गया जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। घोषणापत्र में कहा गया, ष्हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतोंकृजिनमें देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान भी शामिल हैकृका पूरी तरह और आपस में जुड़े हुए रूप में पालन करते हुए नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। राष्ट्रपति शी ने अपने संबोधन में कहा कि चीन और भारत एक–दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं और मिलकर विकास कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों से ब्रिक्स सहयोग को और बेहतर बनाने और उच्च–गुणवत्ता वाले विकास के लिए साथ मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। इससे पहले,

ब्रिक्स देशों ने सर्वसम्मति से श्नई दिल्ली घोषणापत्र 2026श को अपनाया। इसमें पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई गई और अधिकतम संयम बरतने तथा ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचने का आह्वान किया गया जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। घोषणापत्र में कहा गया, ष्हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतोंकृजिनमें देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान भी शामिल है ।

सीएम योगी ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ, बोले- एग्जाम वॉरियर्स हर बच्चे को पढ़नी चाहिए

संवाददाता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर बच्चे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' जरूर पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह कहना अन्याय होगा कि युवा किताब नहीं पढ़ता, जरूरत किताबों को उन तक पहुंचाने की थी। ज्ञान को संकुचित दायरे में सीमित करने के दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र, दोनों को भुगतने पड़ते हैं। 10 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया गया था। यूपी के नौजवान के सामने पहचान का संकट था और नागरिक अपनी पहचान बताने से बचते थे। सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश की तस्वीर बदली है। डिजिटल युग ने शहर और गांव की दूरी को कम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 5वें गोमती पुस्तक महोत्सव–2026 का शुभारंभ करने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने वहां मौजूद बच्चों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' वितरित की।उन्होंने कहा कि हर बच्चे को यह पुस्तक पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह केवल स्कूली छात्रों के लिए नहीं, बल्कि हर युवा और नागरिकों के लिए भी उपयोगी है। जीवन में हर व्यक्ति को किसी न किसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। कभी डिग्री के लिए, कभी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए और कभी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में। जब मुश्किल समय में व्यक्ति की हिम्मत जवाब देने लगती है, तब 'एग्जाम वॉरियर्स' उसका संबल और मार्गदर्शक बन सकती है। सीएम के हाथों पुस्तक पाने वाले बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

युवा किताब नहीं पढ़ता, यह कहना अन्यायमुख्यमंत्री ने कहा कि यह कहना कि युवा पुस्तकों से दूर हो गया या सोशल मीडिया पर अपना समय खराब कर रहा, पूरी तरह सही नहीं। ऐसा कहना युवा के साथ अन्याय होगा। जरूरत पुस्तकों को उसके पास पहुंचाने की व्यवस्था करने की है। जब पहली बार युवराज मलिक ने लखनऊ में पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था, तब मैंने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी से चर्चा की। इसे प्रोत्साहित करने की बात कही। इसके बाद लखनऊ में पुस्तक महोत्सव शुरू हुआ। इसका जब अच्छा परिणाम मिला तो मैंने गोरखपुर में भी पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया। वहां लखनऊ से भी ज्यादा लोग पहुंचे और अधिक पुस्तकों की बिक्री हुई। इससे यह धारणा पूरी तरह गलत साबित हुई कि आज का युवा पुस्तक नहीं पढ़ता।पहले संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की तरह ही समाज और राष्ट्र भी तब बीमार होता है, जब उसकी क्षमता समाप्त होने लगती है और वह अपनी विरासत से दूरी बनाने लगता है। पहले भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया, जिसके परिणाम सहने पड़े। उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लखनऊ से करीब 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में ऋषियों ने चिंतन और ज्ञान की

परंपरा को आगे बढ़ाया। काशी ज्ञान और संवाद की भूमि रही है। इसी प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित शुक्रतीर्थ में करीब 5 हजार वर्ष पहले श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा के वाचन की परंपरा जुड़ी है।पुस्तक मेला ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान का मंच सीएम योगी ने कहा कि पुस्तक महोत्सव युवाओं, छात्रों, लेखकों और प्रकाशकों को मंच उपलब्ध कराता है। यहां युवा विभिन्न ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और रोचक पुस्तकों को देख सकते हैं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगले 9 दिनों तक चलने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव–2026 में पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनात्मक यात्रा को समझने का अवसर भी मिलेगा। आत्मकथाओं के माध्यम से महापुरुषों के जीवन संघर्ष को जाना जा सकता है। वैज्ञानिकों के शोध और उनकी यात्राओं को पुस्तकों के माध्यम से समझा जा सकता है। यह रचनात्मकता को आगे बढ़ाने और जीवन में नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है।ज्ञान को सीमित मत करें, सभी रास्ते खुले रखेंमुख्यमंत्री ने भारतीय ऋषि परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि ज्ञान को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। हमारी परंपरा ज्ञान को चारों ओर से आने देने के लिए द्वार खुले रखने की पक्षधर रही है। केवल स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय जाकर पाठ्यक्रम पढ़ लेना ही व्यक्ति को पूर्ण रूप से ज्ञानवान नहीं बनाता। समाज, देश और दुनिया को समझने के लिए अलग–अलग विषयों और विचारों से परिचित होना जरूरी है। भारत की ज्ञान परंपरा श्रुति और स्मृति से आगे बढ़कर शास्त्रों, पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और विभिन्न अभिलेखों के माध्यम से पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ी। लखनऊ साहित्य की पुरानी भूमि है और यहां से अनेक साहित्यकारों ने अपनी कालजयी रचनाओं के माध्यम से देश–समाज को दिशा दी है।डिजिटल युग ने घटाई गांव–शहर की दूरी मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल युग ने गांव और शहर की दूरी कम करने का काम किया है। उन्होंने ग्राम सचिवालयों का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले ग्राम प्रधान गांव की व्यवस्था अपने घर से संचालित करता था।

बिहार बाढ़ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने पीड़ितों के लिए मांगा स्पेशल पैकेज, लगाया भेदभाव का आरोप

एजेंसी।

बिहार केंद्र सरकार बिहार के साथ भेदभाव कर रही है। बिहार का सरकारी खजाना खाली है। उन्होंने आगे कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं, जहां लोगों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। हम लगातार बाढ़ पीड़ितों के बीच जा रहे हैं और उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल रही है... बातचीत में शामिल हों। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में बाढ़ पीड़ितों के लिए एक स्पेशल पैकेज की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य के साथ भेदभाव कर रही है और राज्य का खजाना खाली है। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, ष्सरकार को बाढ़ पीड़ितों के लिए एक स्पेशल पैकेज देना चाहिए। केंद्र सरकार बिहार के साथ भेदभाव कर रही है। बिहार का सरकारी खजाना खाली है। उन्होंने आगे कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं, जहां लोगों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। ष्हम लगातार बाढ़ पीड़ितों के बीच जा रहे हैं और उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल रही है... बातचीत में शामिल हों। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 14 जिलों के 84 ब्लॉक में 514 पंचायतों के 40 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हालाँकि गंगा और दूसरी बड़ी नदियों के बेसिन में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, फिर भी

प्रभावित इलाकों में राहत और मेडिकल ऑपरेशन तेज कर दिए गए हैं। भागलपुर सबसे ज़्यादा प्रभावित जिलों में से एक है, जहाँ 6.4 लाख से ज़्यादा लोग और लगभग 1.5 लाख परिवार प्रभावित हुए हैं। जिले में बाढ़ से प्रभावित पंचायतों की संख्या 82 से बढ़कर 92 हो गई है, जबकि प्रभावित गाँवों की संख्या 269 से बढ़कर 376 हो गई है। कुल 710 जिला परिषद वार्ड भी प्रभावित हुए हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई - योगी आदित्यनाथ

, संवाददाता।

लखनऊ। प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश में होने वाले कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर मीडिया को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान को लेकर मंत्र भी दिया।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 2001 में मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुआ सफर आज 25 वर्षों की अनथक जनसेवा की प्रेरणादायी गाथा बन चुका है। गुजरात के सीएम से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक उनका हर भूमिका में एक ही ध्येय रहा है 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' ।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के एक ही ध्येय 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' को समर्पित सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा पूरी ताकत झोंक रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिल्ली में चल रहा ठत्प्ब्ै समिट नए भारत का दर्शन करा रहा है। 11 से 13 सितंबर तक दिल्ली में ठत्प्ब्ै समिट का आयोजन हो रहा है, जिसमें भारत की वैश्विक ताकत और बदलती भूमिका भी दिख रही है। पीएम मोदी ने 2014 से अब तक देश को एक नया विजन दिया।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अब दुनिया में पिछलग्गू राष्ट्र नहीं, बल्कि एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित हुआ। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत टॉप फाइव इकोनॉमी में शामिल हुआ है और ळ20 का सफल आयोजन कर दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी जगह बिजली मिल रही है और केंद्र की सहायता से चल रही योजनाओं के क्रियान्वयन में आज उत्तर प्रदेश नंबर वन है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की

उपलब्धियों और योगदान को लेकर प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह विभिन्न कार्यक्रम चलेंगे। पीएम मोदी के जन्मदिन से लेकर एक माह तक कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाई गई है। सात अक्टूबर को पीएम मोदी के 25 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर कार्यक्रम होंगे।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा पीएम मोदी के योगदान को जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। पार्टी और सरकार मिलकर सेवा केंद्र कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी के 25 वर्ष के कार्यकाल का दिन 7 अक्टूबर 2026 को है। इस दिन भाजपा के सभी कार्यकर्ता और नेता घर–घर जाकर पीएम मोदी की योजनाएं बताएंगे। भाजपा कार्यकर्ता घर–घर जाकर

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल, काशी में भाजपा शुरू करेगी सेवा संकल्प अभियान

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा काशी क्षेत्र में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। इस अभियान का मुख्य आकर्षण काशी से उनके जन्मस्थान वडनगर तक निकलने वाली बाइक यात्रा होगी। इसके जरिए 31,168 बूथों पर जनसंपर्क कर सेवा और सुशासन का संदेश पहुंचाया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर, भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) पूरे काशी क्षेत्र में ष्सेवा संकल्प अभियानष नाम से एक महीने तक चलने वाला बड़ा जन–संपर्क अभियान शुरू करने जा रही है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का मकसद सिर्फ कई कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक सेवा, सुशासन, गरीबों के कल्याण और विकसित भारत का संदेश पहुंचाना है। इस अभियान का मुख्य आकर्षण काशी से गुजरात के वडनगर तक की बाइक यात्रा होगी। यह यात्रा प्रधानमंत्री के जन्मदिन, यानी 17 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों का जल चढ़ाने के बाद शुरू होगी और लगभग 20

दिन बाद 7 अक्टूबर को उनके जन्मस्थान वडनगर में समाप्त होगी। गुरुवार को रोहनिया में ठश्रच काशी क्षेत्र के हेडक्वार्टर में नए चुने गए पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यकारी समिति के सदस्यों की बैठक हुई। इसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने अधिकारियों के सामने अभियान की रूपरेखा और कार्यक्रम का ब्लूप्रिंट पेश किया। उन्होंने काशी क्षेत्र के सभी 16 जिलों में इस अभियान को बड़े पैमाने पर चलाने का निर्देश दिया। इस अभियान के तहत 71 विधानसभा क्षेत्रों, 337 मंडलों और 31,168 बूथों तक पहुंचने की योजना है। ठश्रच ने काशी से वडनगर तक प्रस्तावित बाइक रैली को खास अहमियत दी है। ष्वडनगर से वाराणसी यात्राष प्रधानमंत्री के जन्मस्थान और कार्यस्थल को जोड़ने का संदेश देगी।

ठश्रल्ड की अगुवाई में होने वाली यह यात्रा 17 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों का जल चढ़ाने के बाद शुरू होगी। लगभग 20 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 7 अक्टूबर को वडनगर पहुंचेगी। ठश्रच के लिए यह यात्रा सिर्फ एक बाइक रैली नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन को उनके जन्मस्थान से कार्यस्थल और कार्यस्थल से जन्मस्थान तक जोड़ने वाला एक राजनीतिक–सांस्कृतिक संदेश है। कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच एक संपर्क अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें काशी को प्रधानमंत्री का कार्यस्थल और वडनगर को उनका जन्मस्थान बताया जाएगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने बाइक रैली की अब तक की तैयारियों के बारे में युवा मोर्चा काशी क्षेत्रीय प्रभारी से फीडबैक लिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कहा कि यह अभियान ष्आशीर्वाद का दियाष कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री में नागरिकों और कार्यकर्ताओं के भरोसे को बूथ स्तर तक जोड़ेगा।

कौन हैं दीपिका आनंद, जिन पर बीएसपी की अध्यक्ष मायावती को सबसे ज्यादा भरोसा दे सकती हैं बड़ी जिम्मेदारी

संवाददाता। लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती को बेहद भरोसे वाले सहयोगी की तलाश है। भतीजों आकाश और ईशान आनंद से भरोसा उठने के बाद मायावती को भतीजी दीपिका आनंद से बड़ी उम्मीद है। लंदन में वकालत की शिक्षा ले रही 22 वर्षीया भतीजी दीपिका आनंद को मायावती अपने सहयोग के लिए साथ रख सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो भविष्य में भतीजी दीपिका आनंद को बसपा की कमान सौंपी जा सकती है। मायवती ने यह भी कहा कि भतीजी का कार्य क्षमता को देखने के बाद वह बड़ा फैसला लेंगी। मायावती ने अपने बयान में यह विकल्प भी रखा कि अगर भविष्य में दीपिका आनंद पार्टी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार नहीं होती हैं, तो किसी अन्य समर्पित दलित मिशनरी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी जा सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी में किसी पद का आधार केवल परिवार नहीं, बल्कि संगठन और मिशन के प्रति प्रतिबद्धता होगी। इस समय वकालत की पढ़ाई कर रही दीपिका कभी राजनीतिक कार्यक्रमों में भी नहीं दिखी हैं। आज अचानक मायावती ने आनंद कुमार के सामने उनकी मदद के लिए दीपिका के नाम का प्रस्ताव दे दिया है। दीपिका इस समय वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। अब तक उनकी मीडिया में कोई चर्चा नहीं हुई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि अब भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं बल्कि उनकी बेटी दीपिका आनंद बसपा के मिशन को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि अब आनंद के बेटों को कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बसपा का मिशन सर्वोपरि है लिहाजा अब मेरे भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं, वकालत की पढ़ाई कर रही बेटी दीपिका आनंद पार्टी का कार्य करेगी। आनंद जरूरत पड़ने पर अपनी जिम्मेदारियां उसे सौंप सकते हैं। दीपका आनंद बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार की पुत्री हैं। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमाप की गिनती पार्टी के ताकतवर नेताओं में से होती है।

ग्रीन गैस के नाम पर साइबर ठगी से सावधान, संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड कराना अपराधियों का नया तरीका

लखनऊ(आरएनएस)। लखनऊ पुलिस की अपराध शाखा ने ग्रीन गैस के नाम पर आमजन के साथ किए जा रहे नए साइबर ठगी के प्रयासों को लेकर लोगों को सतर्क किया है। साइबर अपराधियों द्वारा ग्रीन गैस के नाम का दुरुपयोग करते हुए वाट्सऐप संदेश, एसएमएस और फोन कॉल के माध्यम से उपभोक्ताओं से संपर्क किया जा रहा है। अपराधी बिल अपडेट करने, मीटर या ग्राहक पहचान सत्यापन, गैस कनेक्शन अपडेट करने अथवा अन्य किसी बहाने से मोबाइल पर संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड और स्थापित करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।पुलिस के अनुसार, ऐसी संदिग्ध एपीके फाइल मोबाइल में स्थापित करने से साइबर अपराधियों को मोबाइल की संवेदनशील जानकारी और गतिविधियों तक अनधिकृत पहुंच मिल सकती है। इसके माध्यम से एक बार इस्तेमाल होने वाले पासवर्ड, संदेश, बैंकिंग संबंधी जानकारी और अन्य निजी आंकड़ों का दुरुपयोग कर आर्थिक धोखाधड़ी की जा सकती है। अपराधी लोगों को डराने के लिए यह संदेश भी भेज रहे हैं कि बिल अपडेट नहीं होने के कारण रात साढ़े आठ बजे तक उनका पाइप गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा और तत्काल दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने या बिल अपडेट करने को कहा जा रहा है।लखनऊ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति ने ऐसी एपीके फाइल केवल डाउनलोड की है और उसे स्थापित नहीं किया है, तो उसे खोलने या स्थापित करने के बजाय तत्काल हटा देना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति ने गलती से एपीके फाइल स्थापित कर ली है तो घबराने के बजाय मोबाइल को तत्काल इंटरनेट से अलग कर देना चाहिए। इसके लिए वाई–फाई और मोबाइल इंटरनेट बंद करने, संदिग्ध अनुप्रयोगों को किसी भी प्रकार की अतिरिक्त अनुमति नहीं देने और साइबर स्वच्छता केंद्र की आधिकारिक वेबसाइट से उपलब्ध सुरक्षा उपकरण के माध्यम से मोबाइल की पूरी जांच कराने की सलाह दी गई है। पुलिस ने महत्वपूर्ण पासवर्ड और अन्य गोपनीय जानकारी को संभव हो तो किसी दूसरे सुरक्षित उपकरण से बदलने तथा बैंक खाते, यूपीआई और अन्य वित्तीय लेनदेन की तत्काल जांच करने को कहा है।यदि किसी व्यक्ति के साथ आर्थिक धोखाधड़ी हो चुकी है तो उसे तत्काल 1930 पर संपर्क करने और साइबर अपराध की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई है। पुलिस ने कहा है कि जिस मोबाइल नंबर से संदिग्ध एपीके फाइल या वाट्सऐप संदेश प्राप्त हुआ है, उसे सुरक्षित रखना बेहद महत्वपूर्ण है। संदिग्ध संदेश को हटाने के बजाय उसका पूरा विवरण और स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखें तथा संदेश भेजने वाले मोबाइल नंबर सहित लखनऊ पुलिस की अपराध शाखा की संगठित अपराध हेल्पलाइन 7839861034 पर अग्रेषित करें।अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, लखनऊ किरन यादव ने कहा कि लखनऊ अपराध शाखा लगातार आमजन को इस नए साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। आमजन द्वारा उपलब्ध कराया गया संदिग्ध मोबाइल नंबर और वाट्सऐप संदेश साइबर अपराधियों की पहचान करने और उनके नेटवर्क तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सुराग साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रीन गैस के नाम पर फर्जी वाट्सऐप संदेश भेजकर लोगों से एपीके फाइल डाउनलोड और स्थापित करने के लिए कहा जा रहा है। पुलिस लोगों को केवल सावधान ही नहीं कर रही है, बल्कि यह भी बता रही है कि यदि गलती से एपीके फाइल डाउनलोड या स्थापित हो गई है तो तत्काल कौन से कदम उठाए जाएं।उन्होंने आमजन से अपील की कि ग्रीन गैस के नाम पर वाट्सऐप या एसएमएस के माध्यम से प्राप्त किसी भी संदिग्ध एपीके फाइल को डाउनलोड या स्थापित न करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी व्यक्ति के साथ एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड, पिन, कार्ड सत्यापन संख्या, बैंक खाते की जानकारी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध संदेश प्राप्त होने पर उसे हटाने के बजाय सुरक्षित रखें और भेजने वाले मोबाइल नंबर सहित पूरा संदेश लखनऊ पुलिस की अपराध शाखा की संगठित अपराध हेल्पलाइन 7839861034 पर अग्रेषित करें।पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधियों द्वारा भेजे जा रहे फर्जी संदेश में स्वयं को ग्रीन गैस प्राइवेट लिमिटेड की टीम बताते हुए उपभोक्ता को गैस कनेक्शन काटने की चेतावनी दी जा रही है। ऐसे संदेशों में तत्काल दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा जाता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इस तरह के दबाव या धमकी वाले संदेशों के झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। एक संदिग्ध मोबाइल नंबर और एक वाट्सऐप संदेश भी साइबर अपराधियों तक पहुंचने और उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाने में पुलिस के लिए महत्वपूर्ण सुराग बन सकता है।

अनुसूचित जाति होने मात्र से एससी-एसटी एक्ट नहीं लगता- हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में जमीन के लेनदेन से जुड़े मामले में आरोपी राजू कुरैशी उर्फ उमरदराज के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही को निरस्त कर दिया है। हालांकि धोखाधड़ी, आपराधिक न्यासभंग, आपराधिक षड्यंत्र, गाली–गलौज और धमकी के आरोपों में मुकदमे की कार्यवाही जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति संतोष राय की एकलपीठ ने दिया। गाजियाबाद के लोनी थाने में वर्ष 2025 में याची के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट के साथ जालसाजी, धोखाधड़ी और अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।ट्रायल कोर्ट ने आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपी को समन जारी किया था। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर समनध्संज्ञान आदेश सहित पूरी आपराधिक कार्यवाही निरस्त करने की मांग की। याची के अधिवक्ता मोहम्मद समीउज्जमा खान ने दलील दी कि मामला बंथला गांव के खसरा संख्या 1245 से जुड़ी जमीन के लेनदेन का है। मूल रूप से यह दीवानी विवाद है, जिसे आपराधिक रंग दिया गया। कथित जातिसूचक टिप्पणी को सार्वजनिक रूप से किए जाने का भी कोई स्पष्ट आरोप नहीं है। हाईकोर्ट ने एफआईआर और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पाया कि रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री नहीं है, जिससे यह साबित हो कि आरोपी ने पीड़ित को उसकी जाति के आधार पर जातिसूचक शब्द कहे या जानबूझकर अपमानित किया। कोर्ट ने यह भी पाया कि अभियोजन यह प्रदर्शित नहीं कर सका कि कथित अपमान सार्वजनिक रूप से हुआ था और आरोपी का उद्देश्य पीड़ित को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य होने के कारण अपमानित करना था।

अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल पीड़ित के एससीध्एसटी समुदाय से संबंधित होने के आधार पर एससी–एसटी एक्ट की धाराएं नहीं लगाई जा सकतीं। अपराध के आवश्यक तत्वों का आरोप और प्रथमदृष्टया समर्थन करने वाली सामग्री रिकॉर्ड पर होना जरूरी है। हाईकोर्ट ने आपराधिक अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए एससी–एसटी एक्ट के तहत जारी समनध्संज्ञान आदेश रद्द कर दिया। वहीं धोखाधड़ी, आपराधिक न्यासभंग, आपराधिक षड्यंत्र, गाली–गलौज और धमकी से जुड़े आरोपों में ट्रायल जारी रखने का आदेश दिया।

मोहिउद्दीनपुर विद्यालय में एलबीडी कक्ष का भव्य उद्घाटन

करके सीखने की अवधारणा से विद्यार्थियों में विकसित होगी रचनात्मक एवं व्यावहारिक सोच

प्रयागराज। उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहिउद्दीनपुर, विकासखंड चाका में शनिवार को प्रातः 11रू30 बजे लर्निंग बाई डूइंग कक्ष का भव्य एवं गरिमामय उद्घाटन श्री अनिल कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज द्वारा किया गया।

विद्यालय में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार एवं विकास पाण्डेय, डी.सी. समेकित शिक्षा के आगमन पर स्काउट–गाइड के छात्र–छात्राओं ने सुसज्जित बैंड की मधुर धुनों के साथ उनका उत्साहपूर्ण एवं भव्य स्वागत किया। विद्यार्थियों की अनुशासित एवं आकर्षक प्रस्तुति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें गतिविधियों एवं प्रयोगों के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान करना आवश्यक है। एलबीडी कक्ष बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता, समस्या समाधान की क्षमता तथा व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती कमर सुल्तान के नेतृत्व में विद्यालय में किए जा रहे शैक्षिक एवं रचनात्मक प्रयासों की विशेष सराहना की। प्रधानाध्यापिका श्रीमती कमर सुल्तान ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों

एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अतिथियों द्वारा सराहना की गई।

गोंडा जा रहे अजय राय समेत कांग्रेसजनों को पुलिस ने रोका, मसौली थाने में हिरासत के खिलाफ धरना

लखनऊ,(आरएनएस) । जनपद गोंडा के करनैलगंज क्षेत्र के रेक्सड़िया निवासी बर्तन कारोबारी स्वर्गीय विनोद साहनी की हत्या के बाद उनके परिजनों से मिलने और शोक संवेदना व्यक्त करने जा रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह सहित दर्जनों कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को बाराबंकी टोल प्लाजा के पास भारी पुलिस बल ने रोककर हिरासत में ले लिया। पुलिस सभी को मसौली थाने ले गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मसौली थाने पहुंचने लगे, जिन्हें पुलिस ने रास्ते में ही राजमार्ग पर रोक दिया। इसके बाद थाने पर पहुंचे सैकड़ों कांग्रेसजनों ने प्रदेश सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना–प्रदर्शन किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या किसी पीड़ित परिवार के घर जाकर संवेदना व्यक्त करना अपराध है। उन्होंने पूछा कि उन्हें किसके आदेश पर रोका गया और यदि ऊपर से आदेश दिया गया था तो उसे दिखाया क्यों नहीं गया। क्या पुलिस को बिना लिखित आदेश के इस तरह की कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराधों के बीच गरीब, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और व्यापारी वर्ग के पीड़ित परिवारों के घर जाकर उनके दुख–दर्द में शामिल होने पर सरकार भयभीत क्यों हो जाती है।अजय राय ने आरोप लगाया कि योगी सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए कांग्रेस नेताओं को पीड़ितों से मिलने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को उन्हें रोकने के बजाय अपराध रोकने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं और कांग्रेस का स्पष्ट मंत्र है कि जहां कहीं पीड़ा होगी, वहां कांग्रेस के नेता दिखाई देंगे। कांग्रेस न तो डरेगी और न ही सत्ता की कथित तानाशाही के सामने झुकेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछड़े वर्ग के निषाद समुदाय से जुड़े बर्तन कारोबारी विनोद साहनी की जिस तरह गोली मारकर हत्या की गई, वह बेहद दुखद और गंभीर घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही है और अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही हत्या, दुष्कर्म और लूट की घटनाएं सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को सरकार का वैचारिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण उनका मनोबल बढ़ रहा है और प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति पैदा हो गई है।अजय राय ने यह भी कहा कि अपनी सरकार की इज्जत बचाने के लिए योगी सरकार के मंत्री विपक्ष के धरने में शामिल होकर कार्रवाई की मांग करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को विपक्ष के धरने में शामिल होने के बजाय सरकार पर दबाव बनाकर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक धीरेन्द्र सिंह धीरू, पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह, पूर्व विधायक इंदल रावत, देवेन्द्र निषाद, सलमान बशर, आसिम वकार, अब्दुल्ला शेर खान, सुरेन्द्र यादव, राजेश जायसवाल, राम निहाल निषाद, अब्दुल रहमान घोसी, दुर्गविजय सिंह मान, राकेश पाण्डेय, प्रमोद मिश्रा, इफ्तिखार अंसारी, सुमन प्रजापति, हुस्न आरा, सुनीता रावत और विभा त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

शौर्यदीप सचिन श्रीवास्तव बने के पी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष

प्रयागराज। सम्पूर्ण एशिया में शिक्षा, समाज सेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था श्द कायस्थ पाठशालाश (के. पी. ट्रस्ट) के उपाध्यक्ष पद पर टैगोर टाउन निवासी शौर्य दीप सचिन श्रीवास्तव को मनोनीत किया गया है। संस्था के अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने शुक्रवार को मनोनयन पत्र सौंपा। यह नियुक्ति संस्था के चिकित्सा सेवा विस्तार और विकास के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस पद पर आसीन होने के उपरांत श्री शौर्य दीप का मुख्य उद्देश्य संस्था के अंतर्गत मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और डायग्नोस्टिक सेंटर जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा परियोजनाओं को मूर्त रूप देना और उनका सफल संचालन सुनिश्चित करना है।नियुक्ति पत्र में अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि श्री शौर्य दीप के अनुभव और विशेषज्ञता से कायस्थ पाठशाला और उसकी संस्थाओं के विकास में एक सार्थक योगदान मिलेगा।

इस दायित्व को ग्रहण करने के बाद शौर्यदीप ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतरीन और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं, आधुनिक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो सकें।

शौर्यदीप सचिन श्रीवास्तव के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर सर्व श्री कौशलेन्द्र श्रीवास्तव, ट्रस्ट के महामंत्री एस डी कौटिल्य, पवन शंकर, रंग जी श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव सहित ट्रस्ट के तमाम पदाधिकारियों एवं ट्रस्ट से जुड़े लोगो ने बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

तकनीक के साथ मानवीय सरोकारों को न भूलें- प्रो. अरविंद पी. नातू

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद 21वें दीक्षा समारोह आयोजित

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) का 21वां दीक्षां समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। समारोह में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 22 मेधावियों को विभिन्न पदकों से सम्मानित किया गया। वहीं कुल 728 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं। वर्ष 2026 में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए दिव्यांश ओमर को अध्यक्ष स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. अरविंद पी. नातू ने कहा कि विज्ञान और तकनीक ने पिछले कुछ दशकों में समाज और मानव जीवन को जिस तरह बदला है, वह अभूतपूर्व है। उनकी पीढ़ी ने ऐसा समय देखा है, जब रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी कतारें लगती थीं और रेफ्रिजरेटर, स्कूटर तथा टेलीफोन जैसी सुविधाएं भी विलासिता मानी जाती थीं। कंप्यूटर, इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक संचार तो उस समय की कल्पना से भी बाहर थे।

उन्होंने कहा कि आज जीवन में उपलब्ध सुविधाएं विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास तथा उसके सामाजिक उपयोग का परिणाम हैं। विज्ञान एवं तकनीक ने न केवल जीवन को सुविधाजनक बनाया है बल्कि समाज की कार्यप्रणाली और लोगों के जीवन जीने के तरीके को भी पूरी तरह बदल दिया है। मुख्य अतिथि ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग और इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) जैसे आधुनिक उपकरणों का सही इस्तेमाल इन चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है। बोले कि स्नातक अध्ययन के दौरान उनकी रचनात्मकता को भी इन तकनीकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसलिए वे भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दीक्षांत समारोह से निकलने वाले विद्यार्थी आत्मनिर्भर भारत की तेज होती प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। संस्थान के डीन–एलुमनी अनुपम अग्रवाल, डीन एकेडमिक्स प्रो. पवन चक्रवर्ती, समेत संस्थान के अन्य अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और उनके अभिभावक मौजूद रहे।

गोरखपुर राजघाट निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप, अखिलेश ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर के राजघाट निर्माण को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राजघाट के निर्माण के लिए करोड़ों रुपये की धनराशि जारी की गई थी, लेकिन सिंचाई विभाग ने भाजपाइयों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार की ऐसी नहर निकाल ली, जिसमें स्वार्थ के कई खेत सींचे गए। यही वजह है कि निर्माण की स्थिति बदहाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में हुई कमीशनखोरी के कारण ही दो अधिवक्ताओं की असामयिक जान चली गई।अखिलेश यादव ने कहा कि निर्माण की दुर्गति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से की जा रही असंवेदनशील बयानबाजी मृतकों के परिजनों के घाव पर नमक छिड़कने जैसी है। उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारियों को इस तरह की भाषा बोलने और असंवेदनशील बयान देने का साहस कहां से मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे भ्रष्ट अधिकारियों को मिल रहे राजनीतिक संरक्षण को समझना मुश्किल नहीं है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार मृतकों और पीड़ित परिवारों के घाव पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि जनता अब उनके भाषण और बयान सुनने के मूड में नहीं है। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य में संलिप्त अधिकारियों और गैरजिम्मेदाराना बयान देने वाले अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। यदि उनका निलंबन नहीं किया गया तो यह माना जाएगा कि वे अपने मुखिया और सांसद के कहने पर भ्रष्ट कार्य और गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं।उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को लेकर हमला बोलते हुए कहा कि स्थिति इतनी खराब है कि यदि लोगों को पता चल जाए कि कोई निर्माण भाजपा शासनकाल में हुआ है तो लोग उस निर्माण की मजबूती पर भरोसा नहीं करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में निर्मित छतरी और द्वार के नीचे लोग खड़े होने से डरेंगे, पानी की टंकी देखकर दूर भागेंगे, दीवार का सहारा लेने से बचेंगे और भाजपा शासनकाल में बनी सड़क, राजमार्ग तथा द्रुतगति मार्ग पर चलने से भी डरेंगे। उन्होंने कहा कि पुलों से गुजरने और मंदिर तथा संसद की टपकती छतों को देखकर भी लोगों में भय पैदा हो रहा है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने भ्रष्टाचार का वैश्विक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को यह भी नहीं लगता कि घटिया और जानलेवा निर्माण कभी उनके अपने लोगों और परिवारों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि परिवार की जिम्मेदारी वही निभाता है जो जिम्मेदारी समझता है, उससे नहीं जो जिम्मेदारी से भागता है।उन्होंने गोरखपुर की राजनीतिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां सांसद, विधायक और महापौर के रूप में भाजपा का ट्रिपल इंजन है। इसके अलावा मुख्यमंत्री भी गोरखपुर से जुड़े हैं और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी यहीं के हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शायद इसी कारण भ्रष्टाचार में बंदरबांट के हिस्से भी अधिक हो रहे हैं और निर्माण कार्य के लिए कुछ बचता ही नहीं है।

फिरोज जहांगीर गैंडी की जन्मतिथि पर मजार पर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

पिछड़ा मोर्चा काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्विनी पटेल ने अर्पित की पुष्पांजलि

प्रयागराज। शनिवार को प्रख्यात पत्रकार महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी फिरोज जहांगीर गैंडी की जन्म तिथि पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने मम्फोर्डगंज स्थित फिरोज गैंडी की कब्र पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

मोर्चा के काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्विनी पटेल के नेतृत्व में मोर्चा कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान अश्वनी पटेल ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस परिवार का देश की राजनीति में दशकों तक वर्चस्व रहा हो, वह अपने ही पूर्वजों को सम्मान देने से बचता रहा है। उन्होंने कहा कि जिसका ससुर पंडित जवाहरलाल नेहरू देश का प्रधानमंत्री रहा हो, जिसकी पत्नी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री रही हों, जिसका पुत्र राजीव गांधी प्रधानमंत्री रहा हो, जिसकी बहू सोनिया गांधी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की चेयरपर्सन के रूप में वर्षों तक सत्ता का संचालन करती रही हों और जिसका पौत्र राहुल गांधी आज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हो, उस फिरोज जहांगीर गैंडी की मजार वर्षों से दो पुष्पों के लिए तरस रही है।

राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग चुनावों के समय स्वयं को हिंदू और ब्राह्मण बताने का प्रयास करते हैं, लेकिन उनकी कथनी और करनी में बड़ा अंतर है।

अश्विनी पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर कार्य कर रही है, जबकि कांग्रेस समाज को बांटने और भ्रम फैलाने की राजनीति करती रही है। इस अवसर पर पिछड़ा मोर्चा महानगर प्रभारी मनोज कुशवाहा, मोर्चा के महानगर अध्यक्ष आनंद जायसवाल, अंगद पटेल, राजू पटेल , कृष्ण पाल सिंह, परमेश्वर, पीयूष जायसवाल, विवेक मिश्रा, मंजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर के बाद विवाद में चाकू से हमला, बुजुर्ग की मौत, पौत्र घायल

लखनऊ(आरएनएस)। मड़ियांव थाना क्षेत्र में शनिवार को बाइक की टक्कर के बाद हुए विवाद में एक व्यक्ति ने बुजुर्ग और उनके पौत्र पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उनके पौत्र का ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा है। घटना के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।पुलिस के अनुसार 70 वर्षीय मदन बिहारी तिवारी अपने 19 वर्षीय पौत्र संकल्प तिवारी के साथ बाइक से सीतापुर रोड पर जा रहे थे। कृष्ण लोक कॉलोनी के सामने देशी शराब के ठेके के पास उनकी बाइक एक व्यक्ति की बाइक से टकरा गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने चाकू निकालकर मदन बिहारी तिवारी और उनके पौत्र संकल्प तिवारी पर हमला कर दिया। चाकू के हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान मदन बिहारी तिवारी की मृत्यु हो गई। संकल्प तिवारी का उपचार जारी है।स्थानीय लोगों द्वारा घटना में शामिल व्यक्ति की पहचान राज कुमार उर्फ मलाई, उम्र करीब 40 वर्ष, हाल निवासी मार्कण्डेय धर्मशाला के आसपास, केशवनगर के रूप में बताए जाने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए

यूनानी औषधियों के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण उपलब्धि

प्रयागराज। यूनानी चिकित्सा को आधुनिक वैज्ञानिक आधारों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दो वर्षीय संयुक्त शोध परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई है। इस महत्वपूर्ण शोध परियोजना का संचालन स्टेट तकमील–उत–तिब कॉलेज, लखनऊ के इल्मुल–अदविया विभाग की अन्वेषक डॉ. शगुफ्ता परवीन

(रीडर) तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, रायबरेली के फार्मास्यूटिक्स विभाग के सह–अन्वेषक डॉ. राहुल शुक्ला (असिस्टेंट प्रोफेसर) के संयुक्त सहयोग से किया गया।

परियोजना के अंतर्गत लगभग 150 पृष्ठों की विस्तृत मोनोग्राफ एवं शोध रिपोर्ट तैयार की गई है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग के अंतर्गत यूनानी निदेशालय द्वारा स्वीकृत की गई थी।शोध परियोजना में प्रचलित शास्त्रीय यूनानी औषधीय योग "माजून जबीब" का नैनो फॉर्मूलेशन विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका तंत्र संरक्षण संबंधी) संभावित प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करना

क्षेत्रीय वॉलीबाल में स्वामी विवेकानंद विद्यालय का परचम

विजडम इंडिया।

अंडर–19 बहनों ने जीता रजत, अंडर–17 भैया देव का स्वर्ण के साथ अखिल भारतीय स्तर पर चयन'

साहिबाबाद। वृंदावन स्थित रामकली देवी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 8 से 11 सितंबर तक आयोजित क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, राजेंद्र नगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

विद्यालय की अंडर–19 बहनों की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया।

वहीं अंडर–17 वर्ग में भैया देव ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय दिया।

स्वर्णिम प्रदर्शन के साथ भैया देव ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाली वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है। प्रधानाचार्य श्रीमान जगदीश रघुवंशी जी, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आदरणीय कैलाश राघव जी, प्रबंधक श्रीमान केशव कुमार जी और उपाध्यक्ष डॉ राधेश्याम गुप्ता जी ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के परिश्रम, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए चयनित भैया देव को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिंदा व्यक्तिको मृत दिखाकर जमीन हड़पने का आरोप राजस्व अभिलेखों में हेरफेर से मचा हड़कंप

शिकायत में तत्कालीन लेखपाल रामजीत तिवारी पर भी उठे गंभीर सवाल, सात गाटों की वरासत और जमीन बिक्री की जांच की मांग

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम सतहरी में राजस्व अभिलेखों में कथित हेरफेर कर एक जीवित व्यक्ति को मृत दिखाकर उसकी जमीन दूसरे के नाम वरासत दर्ज कराने का गंभीर मामला सामने आया है। मामले में ग्राम सतहरी निवासी हौसिला सिंह ने उपजिलाधिकारी बल्दीराय को शिकायती पत्र देकर तत्कालीन लेखपाल (रामजीत तिवारी)सहित संबंधित राजस्व कर्मियों की भूमिका की जांच कराने तथा आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।शिकायतकर्ता के अनुसार ग्राम सतहरी में उसके नाम दर्ज गाटा संख्या 128, 145ग, 751, 776, 816, 1349 व 1367 से संबंधित भूमि अभिलेखों में कथित रूप से ऐसा खेल किया गया, जिसमें उसे मृत दिखाकर, उसके भाई शीतला बक्श सिंह के नाम वरासत दर्ज करा दी गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह कार्रवाई राजस्व कर्मियों की कथित मिलीभगत से हुई।मृतक बनाकर कर दी वरासत, फिर जमीन की बिक्री का आरोप

शिकायत के मुताबिक तीन भाइयों में दान बहादुर सिंह की मृत्यु के बाद संबंधित खतौनी शीतला बक्श सिंह और हौसिला सिंह के नाम दर्ज थी। आरोप है कि बाद में हौसिला सिंह को ही मृतक दर्शाकर शीतला बक्श सिंह के नाम भूमि की वरासत करा दी गई। इतना ही नहीं, शिकायत में गाटा संख्या 816 में आधी आराजी के बिक्री किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।राजस्व व्यवस्था पर गंभीर सवालपूरे प्रकरण में तत्कालीन लेखपाल (रामजीत तिवारी) की भूमिका भी जांच के घेरे में बताई गई है। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो यह केवल पारिवारिक भूमि विवाद नहीं, बल्कि राजस्व अभिलेखों की विश्वसनीयता और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला होगा। शिकायतकर्ता ने एसडीएम से संबंधित गाटों से शीतला बक्श सिंह का नाम निरस्त कर अपना नाम पूर्ववत दर्ज कराने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा कथित साजिश में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

अब सवाल यह है कि राजस्व अभिलेखों में कथित तौर पर एक जीवित व्यक्ति को मृत दिखाने की नौबत कैसे आई और जिम्मेदार कौन है। यदि मामले की निष्पक्ष जांच व कार्यवाई कराई जायेगी तो राजस्व अधिकारियों को भ्रम में रखकर लेखपाल द्वारा धन भ्रष्टाचार की बड़ी पोल खुलेगी। साथ ही भविष्य के लिए भ्रष्ट कमर्चारियों पर अंकुश लगेगा और कार्यवाई से पूरे प्रकरण की वास्तविकता सामने आ सकेगा।

मूल्यों की राजनीति के प्रबल पक्षधर थे उमानाथ सिंह

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्व. ठा. उमानाथ सिंह की पुण्यतिथि पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया जा रहा है। उनके निधन को 32 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन त्याग, परोपकार, सादगी, विनम्रता, धैर्य और समर्पण से जुड़ी उनकी स्मृतियां आज भी लोगों के बीच जीवंत हैं। वह मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे और जिले के विकास के लिए आजीवन संघर्षशील रहे।राजनीतिक जीवन में स्व. उमानाथ सिंह की अलग पहचान थी। गरीबों और असहायों के हितों के लिए वह सदैव तत्पर रहते थे। अपनी समस्या लेकर उनके पास पहुंचने वाले हर व्यक्ति की बात वह सहजता से सुनते और उसके समाधान का प्रयास करते थे। मृदुभाषी स्वभाव के कारण सभी राजनीतिक दलों में उनका सम्मान था। उनके विचारों से विभिन्न दलों के कई वरिष्ठ नेता प्रभावित रहते थे।मोहल्ला नखास स्थित उनके आवास की चौखट आम लोगों के लिए हमेशा खुली रहती थी। बरामदे में चौकी पर बैठकर वह समर्थकों और फरियादियों से सहजता से मिलते थे। गरीब और जरूरतमंद लोग बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचते थे। उनका मानना था कि सत्य की राह कठिन जरूर होती है, लेकिन अंततः परिणाम सत्य के पक्ष में ही जाता है।स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर साहित्य वाचस्पति श्रीपाल सिंह क्षेम की लिखी कविता भी उनके सामाजिक और मानवीय व्यक्तित्व को रेखांकित करती है। उनके परिवार में उन्होंने जो संस्कार बोए, वे आज भी उनकी विरासत के रूप में दिखाई देते हैं। उनके अनुज एवं टीडी कॉलेज के पूर्व प्रबंधक स्व. अशोक सिंह ने भी अपने बड़े भाई की स्मृति में शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर समाजसेवा की मिसाल कायम की। कोरोना काल में स्व. अशोक सिंह का निधन हो गया, लेकिन जीवनभर उन्होंने अपने बड़े भाई के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास किया।स्व. उमानाथ सिंह के संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए उनके पुत्र पूर्व सांसद कृष्ण प्रताप सिंह 'केपी' तथा परिवार के अन्य सदस्य राघवेंद्र प्रताप सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, शिवेंद्र प्रताप सिंह और शिवेंद्र प्रताप सिंह समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। सिंह के भतीजे राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 13 सितंबर को तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर हाल में दोपहर 12 बजे से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय शुल्क राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव मौजूद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह करेंगे।

प्रदेश की मेरिट में स्थान लाने वाले छात्र का होगा भव्य नागरिक अभिनंदन- ठाकुर संजय सिंह

फोटो न0–02

सुल्तानपुर। महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में शनिवार को परिचयात्मक एवं शिक्षा उन्नयन गोष्ठी का अत्यंत गरिमामयी माहौल में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह, विद्यालय के प्रबंधक व उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉ. विनोद सिंह एवं प्रबंध समिति के पदाधिकारियों द्वारा बाबू बेचू सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ हुआ। परिचयात्मक सत्र के दौरान नवनिर्वाचित प्रबंध समिति के समक्ष विद्यालय के कर्मठ शिक्षकों ने अपना परिचय दिया। इसके उपरांत संस्थान के शैक्षणिक स्तर को नए शिखर पर ले जाने के लिए डॉ. अजय कुमार सिंह, मधुलिका सिंह, सुमित कुमार, बलराम सिंह, डॉ. विशाल सिंह, अशोक सिंह और मारुत नंदन आदि शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचार और ठोस सुझाव साझा किए। प्रबंध समिति ने शिक्षकों के इन सुझावों की सराहना करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

शिक्षकों के विचारों पर अपनी मुहर लगाते हुए शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य व प्रबंधक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, ष्हमारा संस्थान अनुशासित वातावरण में उच्च स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे शिक्षक उच्च कोटि की योग्यता रखते हैं, जिसका प्रमाण हमारे इंग्लिश मीडियम विंग का शत–प्रतिशत (100:) परीक्षा परिणाम है। डॉ. सिंह ने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करते हुए कहा कि जहाँ आज जनपद के अन्य सरकारी विद्यालयों में छात्र संख्या में गिरावट देखी जा रही है, वहीं हमारे विद्यालय में छात्र संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। यह जनता के अटूट विश्वास, उत्तम अनुशासन और हमारे उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल की पुष्टि करता है। क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह ने छात्र–छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए एक प्रेरक घोषणा की। उन्होंने कहा, ष्जिस दिन हमारे विद्यालय का कोई भी होनहार छात्र प्रदेश स्तर की मेरिट सूची में स्थान बनाएगा, उस दिन प्रबंध समिति द्वारा उसका ऐतिहासिक और भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यहाँ के विद्यार्थी इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। उन्होंने गर्व से रेखांकित किया कि डळै जनपद का एकमात्र ऐसा विद्यालय है जो बालिकाओं को पूरी तरह निशुल्क गणवेश (यूनिफॉर्म) प्रदान कर महिला शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम का संचालन विचित्र वीर सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने आए हुए सभी पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

41 टन चोरी गई सरिया बरामद, 02 गिरफ्तार

09 सितम्बर को ट्रेडिंग कम्पनी ने दर्ज कराया था मुकदमा

सुल्तानपुर। असम से सरिया लेकर लखनऊ जा रहा ट्रक कूरेभार थाना क्षेत्र से गायब होने के बाद यश ट्रेडर्स लखनऊ के फर्म संचालक के रिश्तेदार ने 09 सितम्बर को कूरेभार पुलिस को तहरीर देकर ट्रेलर वाहन के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान प्रकाश में आये 04 आरोपियों में 02 को चोरी गई सरिया, ट्रेलर व ट्रक के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। शनिवार को सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने चोरी गई सरिया का खुलासा करते हुए जानकारी दी कि लखनऊ निवासी अमित कुमार सिंघनिया जो यश ट्रेडर्स के मालिक है उनके रिश्तेदार निमेंद्र गोयल निवासी पलटन बाजार थाना कोतवाली नगर ने 09 सितम्बर को कूरेभार पुलिस को तहरीर देकर असम से लखनऊ जा रही सरिया की कूरेभार थाना क्षेत्र से चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई थी।मुकदमा दर्ज होने के

बाद पुलिस ने चोरी की घटना को अंजाम देने के मामले में अभय मिश्रा पुत्र अखिलेश मिश्रा निवासी सराय कल्याण कादीपुर, चंदन गौतम पुत्र राम आधार गौतम निवासी सोनावा चांदा, जयदीप यादव पुत्र शोभनाथ यादव निवासी लालू का पुरवा सोनावा चांदा व सौरभ पुत्र चंद्र भूषण द्विवेदी निवासी विनोबापुरी कोतवाली नगर की शिनाख्त की। शनिवार को कूरेभार पुलिस ने अखिलेश मिश्रा व चंदन गौतम को थाना क्षेत्र के एनपुर नहर के पास से गिरफ्तार किया जिनसे पुलिस ने 41 टन सरिया कीमत लगभग 19 लाख,एक ट्रक सरिया लदी हुई व खाली ट्रेलर जिससे असम से सरिया निकली थी उसे बरामद किया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेश कुमार, दीवान दयानंद यादव, आरक्षी उमेश यादव, अरुण यादव, सुनील यादव शामिल रहे।

संत निरंकारी मिशन का रक्तदान शिविर आज

जौनपुर। आध्यात्मिकता ही मानव एकता को मजबूती दे सकती है तथा मानव को मानव के निकट लाकर आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सकी है। इसी मन्तव्य से 13 सितंबर रविवार को संत निरंकारी सत्संग भवन ब्रांच – थाना गद्दी, में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसका समय प्रातः 10 से 2 बजे तक है। इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करने के लिए जनपद के 43 ब्रांचो से श्रद्धालु भक्त पूरे जोश एवं उत्साह से रक्तदान करेंगे। इस रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहित करने हेतु जिला अस्पताल (सदर) के प्रशिक्षित डाक्टर एवं टीम सम्मिलित होंगी। जोनल इंचार्ज ी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी। निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह अभियान निरंकारी सतगुरु की प्रदत्त सिखलाइयो को दर्शाते हुए एक दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

लापता अधेड़ का धान के खेत में मिला शव

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के सपही गांव निवासी 56 वर्षीय लल्लन गौतम का शव शनिवार सुबह साधीरनगंज बाजार के पास धान के खेत में पानी के बीच मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लल्लन 10 सितंबर को साइकिल से साधीरनगंज बाजार गए थे, लेकिन इसके बाद घर वापस नहीं लौटे। बाजार के पास धान के खेत में पानी के बीच शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच–पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, लल्लन गौतम की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप

विजडम इंडिया।

साहिबाबाद, 11 सितंबर। राजेंद्र नगर स्थित स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित 37वीं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में पश्चिमी उत्तर

प्रदेश ने ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। इसमें साहिबाबाद, मेरठ एवं हापुड़ के विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्य अतिथि विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश के खेल संयोजक श्री सत्यपाल जी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। इस अवसर पर प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री कैलाश राघव जी, उपाध्यक्ष श्री राधेश्याम जी एवं प्रधानाचार्य श्री जगदीश रघुवंशी जी उपस्थित रहे।

विद्यालय के 6 भैया–बहनों का चयन SGfi शूटिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ। विद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं।

ऐतिहासिक स्थलों के संजोने और संरक्षण को लेकर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी की पहल,प्राचीन नागकुंड पर श्रमदान कर दिया संदेश

मीरजापुर।नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर के ऐतिहासिक स्थलों को संजोने और उनके संरक्षण को लेकर एक विशेष अभियान चलाया है।उन्होंने शनिवार की सुबह स्थानीय लोगों,सभासद,भाजपा कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों के साथ कंतित स्थित तीन हजार साल से भी पुराने नागकुंड पर

पहुंचकर श्रमदान किया।उन्होंने कुंड में उतर कर पानी में जमे काई और जल शैवाल को निकाल कर सफाई की, इसके साथ ही सीढ़ियों पर जमी घासों को उखाड़कर बोरी में इकठ्ठा किया।उन्होंने कहा कि मीरजापुर यह नागकुंड बहुत ही प्राचीन और ऐतिहासिक है,इसका हमारे पुराणों में भी उल्लेख किया गया है।इन्हीं ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर होने वाले सेवा संकल्प अभियान जो आगामी सत्रह सितम्बर से सत्रह अक्टूबर तक चलेगा,उस अभियान में नगर पालिका परिषद के अंतर्गत आने वाले जितने भी ऐसे ऐतिहासिक धरोहर घंटाघर,पक्काघाट,नागकुंड, तारकेश्वर मन्दिर सहित ऐसे सभी धरोहरों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।इस अभियान में सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों को भी आगे आकर ऐसे स्थानों को संरक्षित करने के लिए पहल करनी होगी।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिनके नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत को एक मजबूत,समृद्ध,विश्वसनीय और आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाने का काम किया है,उन्हें हम सब मिलकर इस अभियान को सफल बनाकर एक विशेष उपहार दे सकते।अब बारिश का दिन जाने वाला है, अब हम लोगों को अपने आस पास पानी नहीं जमा होने देना है, जिससे मच्छरों का प्रकोप न बढ़ सके, इसके लिए समाज के लोगों को आगे आना पड़ेगा और जब समाज खड़ा होता है तभी हम इस काम को कर सकते है,अपने मीरजापुर को हम सब मिलकर स्वच्छ और सुंदर बना सकते है।मेरे चलाये गए अभियान से प्रेरित होकर नागकुंड पर ही कुछ दिनों पहले ही दो क्रिएटर्स हिमांशु अग्रहरि और सचिन मौर्या ने अपने दोस्तों के साथ नागकुंड पर सफाई अभियान चलाकर उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला था,मीरजापुर को भी स्वच्छ बनाने में ऐसे ही शहर के नौजवानों को आगे आना पड़ेगा,क्योंकि आना वाला भविष्य आपका है।नौजवान जब आगे आएंगे तब इस शहर को स्वच्छ रखने में मदद मिल सकेगी।इस मौके पर सभासद गोवर्धन यादव,राजकुमार दुबे,रोहन मिश्रा,अमित श्रीनेत,भोला मौर्या,सूरज निषाद,नरेश कौशल,गोवर्धन निषाद,राजकुमार निषाद सहित अन्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

जनगणना के प्रक्षिण में लिया कर्मियों ने भाग

जौनपुर। जनगणना–2027 के द्वितीय चरण जनसंख्या की गणना के सम्बंध में डायट जौनपुर में अहम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिले के सभी तहसीलों एवं नगर निकायों के सहायक चार्ज अधिकारी, जनगणना लिपिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, तकनीकी सहायक एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण सत्र में जनगणना निदेशालय के प्रतिनिधि युवराज गर्ग ने गणना ब्लॉक के गठन, पुराने गणना ब्लॉक की पॉपुलेशन रेशनलाइजेशन करना, जनगणना कार्य में लगने वाले कार्मिकों का डेटाबेस तैयार करने हेतु आवश्यक इंस्ट्रक्शन्स दिये गये। जनगणना द्वितीय चरण में कुल 40 प्रश्न होंगे एवं जो जहां है वहीं उसकी गणना होगी स्व–गणना की तिथि 16 नवंबर से 30 नवंबर तक होगी एवं जनसंख्या की गणना का कार्य 01 दिसम्बर से 04 जनवरी 2027 तक होगा। जनगणना निदेशालय के प्रतिनिधि युवराज गर्ग ने सभी चार्ज अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों से जनगणना के द्वितीय चरण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध तरीके से पूरा करने का अनुरोध किया।

लंपी रोग की रोकथाम हेतु पशुपालन विभाग ने तेज की निगरानी एवं टीकाकरण व्यवस्था-सीवीओ

मेरठ। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवित्रजीत सिंह ने बताया कि जनपद मेरठ में लंपी रोग के मामले सामने आने के दृष्टिगत पशुपालन विभाग द्वारा सतर्कता एवं रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। पशुपैठ पर रोक लगाई गई है तथा प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) वायरस जनित रोग है, जो मुख्यतः मक्खी–मच्छर एवं अन्य कीटों के काटने तथा संक्रमित पशु के संपर्क में आने से फैल सकता है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि रोगी पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें तथा पशुओं को कीटों से बचाने के लिए मच्छरदानी एवं कीटनाशक दवाओं का उचित प्रयोग करें।रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पशुपालकों, पशु सेवकों, पशु मित्रों तथा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है और प्रशिक्षण की प्रक्रिया जारी है। प्रभावित क्षेत्रों में पशुचिकित्साधिकारी नियमित रूप से भ्रमण कर निगरानी कर रहे हैं। दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त होने पर भी तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि विभागीय टीमों का गठन कर दिया गया है, जो प्रभावित क्षेत्रों में रिंग पैटर्न के आधार पर टीकाकरण एवं जन–जागरूकता का कार्य कर रही हैं। रोकथाम संबंधी गतिविधियों की दैनिक सूचना विभागीय अधिकारियों को प्रेषित की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनपद के लिए 1,20,000 खुराक एलएसडी वैक्सीन प्राप्त हुई थी, जिसमें से अब तक 82,000 खुराक का उपयोग किया जा चुका है। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी कि रोग की स्थिति में पशु का उपचार पशुचिकित्सक की सलाह से ही कराया जाए। पशुपालक अनावश्यक रूप से महंगे उपचार पर खर्च न करें।आयुर्वेदिक दवाई–हल्दी 100 ग्राम, सनाय 100 ग्राम, काली जीरी 100 ग्राम, ऑवला 100 ग्राम, सभी को एक साथ पीसकर 50 ग्राम सुबह शाम देनी है। होमियोपैथिक–वैरोलिनियम 200, 20 बून्द एक बार ठीक पशु को, 20 बून्द प्रभावित पशुओं को सुबह शाम 5 दिन तक। अधिक जानकारी एवं

चार पुलिसकर्मियों को किया निलंबित , आन्दोलन खत्म

जौनपूर । एक लेखपाल से दुयवहार के मामले में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद लेखपाल संघ ने अपना काम बंद आंदोलन खत्म कर दिया।यह कार्रवाई सदर तहसील में कार्यरत लेखपाल हिमांशु यादव के साथ हुए दुयवहार के बाद की गई। एसओजी टीम किसी और को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान गलतफहमी में उन्होंने लेखपाल हिमांशु यादव को पकड़ लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। अधिकारियों से बातचीत के बाद पुलिस अधीक्षक ने क्राइम ब्रांच के चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया।इनमें हेड कांस्टेबल प्रफुल्ल यादव, हेड कांस्टेबल आशुतोष सिंह, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव और कांस्टेबल विनीत यादव शामिल हैं। इस घटना के विरोध में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के सदर अध्यक्ष विक्रांत सिंह चौहान के नेतृत्व में लेखपालों ने प्रदर्शन किया था।

समझिए आखिर जब नई दिल्ली में मोदी से जिनपिंग मिलेंगे तो दुनिया में क्या कूटनीतिक संदेश जाएगा?

पीएम मोदी का साफ संदेश, ”सीमा पर शांति, तभी व्यापक संबंध“रू भारत के लिए मुलाकात का अर्थ यह नहीं होगा कि सीमा विवाद समाप्त हो गया, बल्कि नई दिल्ली यह संदेश दे सकती है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (स्।ब्) पर शांति और स्थिरता भारत–चीन संबंधों के सामान्यीकरण की बुनियादी शर्त है।अगर 12दृ 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स (ठत्प्ब्ै) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय मुलाकात होती है, तो इसका कूटनीतिक संदेश केवल भारत–चीन संबंधों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एशिया और वैश्विक शक्ति–संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत होगा। ऐसा इसलिए कि चीनी राष्ट्रपति शी की यह भारत यात्रा सात वर्षों बाद हो रही है। लिहाजा उम्मीद बंधी है कि जब मोदी–शी मुलाकात होगी तो सीमा पर तनाव से लेकर रणनीतिक संवाद तक, खुलकर बात होगी और फिर दोनों नेताओं के मूड से पता चलेगा कि क्या भारत–चीन संबंधों में कोई नया अध्याय खुलेगा या यथास्थिति बनी रहेगी?पहला, सीमा विवाद के बावजूद संवाद बंद नहीं होगारू सबसे बड़ा संदेश यह होगा कि गलवान झड़प (2020) के बाद पैदा हुआ अविश्वास अब पूर्ण टकराव की नीति में नहीं बदल रहा, बल्कि अगस्त में अजित डोभाल और वांग यी की 25वीं विशेष प्रतिनिधि वार्ता में सीमा–प्रबंधन, सैन्य हॉटलाइन और सीमा व्यापार जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ने के संकेत मिले हैं, जो इस मुलाकात के बाद और आगे बढ़ सकते हैं। दूसरा, मोदी का साफ संदेश, ”सीमा पर शांति, तभी व्यापक संबंध“रू भारत के लिए मुलाकात का अर्थ यह नहीं होगा कि सीमा विवाद समाप्त हो गया, बल्कि नई दिल्ली यह संदेश दे सकती है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (स्।ब्) पर शांति और स्थिरता भारत–चीन संबंधों के सामान्यीकरण की बुनियादी शर्त है। 2025 की मोदी–शी बैठक में भी मोदी ने सीमा क्षेत्रों में शांति को द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया था। स्वाभाविक है कि इस बार भी मोदी वही बात दोहराएंगे, ताकि तरक्की का माहौल बने ।तीसरा, चीन को अमेरिका–भारत समीकरण का संकेतरू दिलचस्प बात यह है कि शी की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका और चीन के बीच भी उच्चस्तरीय बातचीत चल रही है। इसलिए बीजिंग यह समझना चाहेगा कि भारत को केवल अमेरिकी रणनीतिक खेमे के हिस्से के रूप में नहीं देखा जा सकता। लिहाजा भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है। चौथा, ब्रिक्स (ठत्प्ब्ै) में भारत की

नेतृत्वकारी भूमिका मजबूत होगीरू नई दिल्ली में शी का आना अपने आप में भारत की कूटनीतिक क्षमता का प्रदर्शन है। भारत एक ही मंच पर चीन, रूस, ईरान और अन्य प्रमुख वैश्विक दक्षिण (ळसवइंस ैवनजी) देशों को साथ ला रहा है। ऐसे समय मोदी–शी बातचीत का संदेश होगा कि भारत पश्चिम और चीनकृदोनों से संवाद करने की क्षमता रखता है। इससे भारत का महत्व हर जगह बढ़ेगा ।पांचवां, व्यापार और आर्थिक संबंधों को ”नियंत्रित सामान्यीकरण“ मिल सकता हैरू भारत–चीन व्यापार बड़ा है, लेकिन सुरक्षा और भरोसे की समस्याएं बनी हुई हैं। इसलिए संभावित बातचीत में व्यापार, निवेश, वीजा, उड़ानों और कारोबारी बाधाओं को कम करने की दिशा में संकेत महत्वपूर्ण होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में सुधार के बावजूद रणनीतिक अविश्वास अभी भी बड़ी बाधा है, जो आगे भी नहीं रह सकती है, जबतक चीन अपनी ओछी हरकतें बंद नहीं कर देता। छठा, पाकिस्तान के लिए भी स्पष्ट संदेश जाएगारू पाकिस्तान अभी चीन–अमेरिका–अरब तीनों को उल्लू बना रहा है। इस लिहाज से भारत–चीन के सुधरते संबंध उसे बेचौन कर सकते हैं। मोदी–शी की प्रत्यक्ष बातचीत से पाकिस्तान को संकेत मिल सकता है कि भारत–चीन संबंधों को केवल भारत–पाकिस्तान समीकरण के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। भारत चीन से प्रतिस्पर्धा भी कर सकता है और अपने हितों के अनुसार बातचीत भी। यह बहुत महत्वपूर्ण पहलू है। सातवां, सबसे बड़ा संदेश– ”प्रतिद्वंद्वी, लेकिन अनिवार्य संवाद साझेदार“रू यही इस मुलाकात का सबसे सटीक कूटनीतिक सार होगा। भारत और चीन के बीच सीमा, व्यापार, तकनीक, इंडो–पैसिफिक और सुरक्षा को लेकर गंभीर मतभेद हैंय लेकिन दोनों एक–दूसरे को नजरअंदाज भी नहीं कर सकते। हालिया घटनाक्रम को कुछ विश्लेषक सीधा मुकाबलसे प्रतिस्पर्धी सह–अस्तित्व की ओर सावधान बदलाव के रूप में देख रहे हैं। आठवां, असली परीक्षा फोटो नहीं, परिणाम होगारू देखा जाए तो मोदी–शी की मुलाकात की सफलता को हाथ मिलाने या गर्मजोशी भरी तस्वीर से नहीं मापा जाना चाहिए, बल्कि असली सवाल होंगेकृ क्या स्।ब् पर स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम निकलता है? क्या सीमा विवाद के समाधान की राजनीतिक प्रक्रिया तेज होती है? क्या व्यापार असंतुलन पर कोई व्यावहारिक पहल होती है? क्या सीधी उड़ानें और वीजा व्यवस्था और सामान्य होती है? क्या दोनों देश एक–दूसरे के खिलाफ रणनीतिक अविश्वास कम करने के लिए कोई नया तंत्र बनाते हैं? इसलिए शीर्षक की भाषा में कहें तो ”मोदी–शी मुलाकातरू सीमा पर तनाव से रणनीतिक संवाद तक, क्या भारत–चीन संबंधों में खुलेगा नया अध्याय?“और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत का चीन के सामने झुकना नहीं, बल्कि अपनी शक्ति और रणनीतिक स्वायत्तता के आधार पर चीन से बातचीत करने का संकेत होगा।

सम्पादकीय

अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

डीआरडीओ ने पारंपरिक मिसाइल क्षेत्र में जो तकनीकें विकसित की हैं, भारत सरकार ने उन सबको निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है। सवाल है, अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

भारत में 2001 में रक्षा क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। 2020 में इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत और सरकारी मंजूरी के रास्ते 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की इजाजत दी गई। अब तक 350 से ज्यादा निजी कंपनियों को उत्पादन लाइसेंस जारी किए गए हैं। लेकिन 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना को निजी क्षेत्र से इतनी निराशा हुई कि लड़ाई के बाद बड़े सैन्य अधिकारियों ने इन कंपनियों की सार्वजनिक आलोचना की। वायु सेनाध्यक्ष ए.पी. सिंह ने कहा कि एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त यह पता नहीं होता कि वह समय पर पूरा होगा या नहीं। उन्होंने प्राइवेट कंपनियों से मुनाफे की सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया था।

उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह ने भी निजी रक्षा क्षेत्र को लेकर काफी हद तक एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलते–जुलते विचार जताए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में (ऑपरेशन सिंदूर से पहले) जब उन्होंने ड्रोन निर्माताओं से समय पर उपकरण देने की क्षमता पूछी, तो कई ने हाथ खड़े कर दिए। दोनों बड़े सैन्य अधिकारियों ने ध्यान दिलाया कि निजी कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अब भारत सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था– रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जो तकनीकें विकसित की थीं, उन सबको उन्हीं निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है।ऐसा मिसाइल क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार खत्म करने का तर्क देकर किया जा रहा है। मगर निजी कंपनियां अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? अगर उनमें इसको लेकर प्रतिस्पर्धा हो, तो भारत में ऐसे नए अस्त्र बनाए जा सकते हैं, जिनसे दुनिया अचंभित हो! लेकिन यह अनुभव दुनिया भर का है कि तुरंत मुनाफे की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र दीर्घकालिक महत्त्व के निवेश नहीं करता। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे बेशुमार तजुर्बों से भारत में कुछ नहीं सीखा जा रहा है।

वंदे मातरम को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहती है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है। क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वंय गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरुआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलान अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को लेकर विवाद नहीं हुआ।यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था। मुस्लिम नेताओं ने इस गीत का विरोध इसलिए नहीं किया था क्योंकि यह राष्ट्रवाद की भावना का गीत था, आजादी की लड़ाई का गीत था और साथ ही हिंदू व मुस्लिम के एक साथ मिल कर अंग्रेजों से लड़ने का गीत था। इस गीत और वंदे मातरम के नारे के साथ तो 1905 के बंग विभाजन का विरोध किया गया था और अंग्रेजों को बंगाल के बंटवारे का फैसला टालने के लिए विवश किया गया था। फिर यह कैसे सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने या किसी की भावना आहत करने वाला गीत हो सकता है?सबसे पहले इस गीत से मोहम्मद अली जिन्ना की भावना आहत हुई थी।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा–दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा–उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व–प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और

लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग–अलग वर्षों और संस्थागत गणना–पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है।

कांग्रेस हो या वामपंथी हर मायने में लाचार

हरिशंकर व्यास

यों कांग्रेस ही नहीं स्वतंत्र भारत ही एक श्राप का मारा है। इस श्राप का नाम है लेफ्ट, खासकर कम्युनिस्ट। इसने भारत की मूल सनातनी धर्म–पद्धति, सभ्यता और उसकी सहज सामाजिक चेतना को दीमक की तरह गलाया है। कैसे? याद करें तिलक–गोखले–गांधी की कांग्रेस को। स्वतंत्रता के समय वह ष्रामष् का नाम लेती थी। कांग्रेस रामराज्य, गीता, प्रार्थना, सत्य, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव जैसे सभ्यतागत प्रतीकों की प्रतीक थी। यानी गांधी और कांग्रेसजन भारतीय समाज की जीवित वास्तविकताकृधर्मकृमें जीते थे। उसी के नैतिक बल से देश बनना था। गांधी की शब्दावली का अर्थ थाकृमैं अपनी हिंदू सभ्यता और आस्था में खड़ा होकर दूसरे धर्म का बराबर सम्मान करता हूं।

ठिक ऐसे ही दूसरे छोर पर सावरकर और मदनमोहन मालवीय थे। इन दोनों के आईडिया में हल्का अंतर था। सावरकर ने राजनीतिक हिंदुत्व का विचार दिया। इसका कोर था–धर्मशास्त्रों की प्रामाणिकता की जगह बुद्धिवाद और विज्ञान पर जोर। छुआछूत और जातिभेद मिटाने की दृढ़ता। उनके हिंदुत्व में पितृभूमि–पुण्यभूमि (जैसे की योरोपीय देशों में भी फादरलैंड) से राष्ट्रीयता की परिभाषा थी। वही मालवीय नैतिक–सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिकता के संतुलन का सुधारवादी सनातनी विचार लिए हुए थे। सावरकर के लिए गाय उपयोगी पशु थी, मालवीय के लिए पूज्य।

जाहिर है गांधी, सावरकर और मालवीयकृतीनों के भारत में वह था जो आज के मोदी–शाह और संघ परिवार के राम–नाम वाले कथित हिंदू राष्ट्र में कतई नहीं है। सवाल है ऐसा कैसे हुआ? कैसे यह नौबत की हिंदुओं के मूल सनातन सत्य, धर्म, बुद्धिवाद–विज्ञान, सर्वधर्म समभाव की जगह झूठ, अंधविश्वास, अनैतिक राजनीति, जातिय–धर्म कलह के जाहिल कथित हिंदू राष्ट्र में आमजन सांस ले रहा है? मेरा दो टूक जवाब हैकृलेफ्ट ने पहले भारत की सभ्यतागत राजनीति को असहज और संदिग्ध बनाया। फिर उसी से, अंततरू प्रतिक्रिया में संघ–भाजपा का हिंदू, राम पर एकाधिकार बना।

मतलब कम्युनिस्ट– वामपंथी के प्रभाव में कांग्रेस (नेहरू से शुरू) की सेकुलर अतिशयता बनी। धर्मनिरपेक्षता का वह बेसुरा राग बना जिसने लोकमानस में जहर घोला। हिंदू बनाम मुस्लिम, पहचान की राजनीति, जातिवाद वोट की आवश्यकता बनी और बनाई। इसकी अतिशयता ने हिंदुओं को लाठीधारी संघ की ओर धकेला। और फिर संघ तथा नरेंद्र मोदी–अमित शाह–योगी की अतिशयता ने हिंदुओं को ऐसा अचेतन, कुंभकर्णी बनाया जो यह भी सुध नहीं कि मनुष्य धर्म की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यता–संस्कृति में सत्यमेव जयते क्या था? सर्वधर्म समभाव क्या था और वह क्या था जिसके अजूबे में इकबाल ने भी लिखा था सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमाराज

मेरा मानना है कि इस सबके लिए जिम्मेवार देशी कम्युनिस्ट और वामपंथ है। भारत में वामपंथियों ने न केवल गांधी, उनके राम, और रामराज्य को नकारा बल्कि हर बात के लिए उस सनातनी जनमानस की बखिया उघेड़ी जो एक तरह से उसकी सभ्यता–संस्कृति–आस्था पर जूता मारना था। सोचे, जब सभ्यता–देश विशेष के मूलवासियों, बहुसंख्यको को ही यदि सांप्रदायिक करार दिया जाए, सरकार उसकी माईबाप बने और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) में श्संसाधनों पर पहला हक मुसलमानोंय जैसे वाक्य बोले तो इन सबकी अतिशयता का कुल जमा प्रभाव लोकमानस में क्या बनेगा? तब यह सोचना ही बेवकूफी है कि हिंदुस्तां के हिंदु अपने आपको असुरक्षित न माने। घर–घर मुसलमानों की चिंता न बैठ जाए। तभी कोई न माने इस बात को लेकिन मेरा मानना है कि 1947 के पहले हजार साला गुलामी के इतिहास में भी सनातनी मानस इतना डरा हुआ, असुरक्षित अपने को नहीं समझता रहा होगा जितना आज है, स्वतंत्र भारत में हो गया है!

यह संघ प्रोपेगेंडा की वजह से नहीं है बल्कि उस कांग्रेस की वजह से है जिसने 1947 से पहले निडरता, सर्व–धर्म समभाव का आत्मविश्वास दिखाया था। एओ ह्यूम की बनाई कांग्रेस में ढेरों कमियां थी लेकिन तिलक, जिन्ना, गोखले, मोतीलाल नेहरू, गांधी, सुभाष बोस, सरदार पटेल, नेहरू, डा राजेंद्रप्रसाद, मौलाना आजाद मोटामोटी आत्मविश्वासी, निर्भयी, सर्वधर्म समभाव के सनातनी भाव में लोगों को जोडने वाले थे। कांग्रेस ने ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखाया था इसलिए 1937 के बाद विभाजन की और जिन्ना व मुसलमान बढ़े। उसका आधार क्या था? उस साझा आत्मविश्वास का आधार धर्मों–जातियों का वह अनुभव था जिसमें जिसमें लाटसाहब जैसे अंग्रेज समाज में अब्दुला की शादी में बेगाने थे।

पूरा विषय विशाल है। कई पुस्तके लिखी जा सकती है। बुनियादी बात 1947 के बाद भारत की अपनी सीमा में आम हिंदू मनोभावों का सफर है। 1947 से 2026 की हिंदुओं की मोटामोटी पांच–छह पीढियों का अनुभव है। वह बहुत खराब रहा। तभी चौदह प्रधानमंत्री, चौदह सरकारों के निचोड़ में सनातनी, धर्म–जीवन पद्धति अब उस हिंदू में कनवर्ट में है जिसकी मुख्य चिंता मुसलमान है। उसी से भय, असुरक्षा तथा पराश्रय है। और यह नरेंद्र मोदी–अमित शाह–योगी आदित्यनाथ, संघ की वह राजनैतिक ताकत है जिससे आगे कांग्रेस हो या वामपंथी या क्षेत्रिय दल सभी हर मायने में लगातार लाचार है।

कैसे इतनी लाचारगी? सोचे, कॉकरोच, जंतरमंतर आंदोलन, जनरेशन जेड की इस्टाग्राम–सोशल मीडिया पर प्रभुता के आम मायने क्या है? मोटामोटी नरेंद्र मोदी–अमित शाह, योगी, भाजपा– संघ की हवा बिगड़ने की वास्तविकताएं। मगर पहली बात, क्या ये राहुल गांधी, अखिलेश या प्रशांत किशोर, तेजस्वी यादव आदि की बदौलत है? कतई नहीं। जो हुआ है हवा जो बदलती लगती है उसकी वजह मोदी सरकार, भाजपा, संघ परिवार के अंहकार, उसकी बुद्धीहीनता है। मोदी सरकार ने प्रमाणित किया है लाठीधारी लोग विवेकी नहीं होते है। सत्ता का अंहकार यदि बुद्धीमान रावण को भी पतित, ठस, आत्मघाती बना देता है तो कुलियुगी अवतार और उसके अंधविश्वासी भक्त क्या बन जाते है यह 2026 के कथित हिंदू भारत, उसकी संस्थाओं के चेहरों की कथनी–करनी से लगातार जाहिर होता हुआ है।

सनातनी मानस राम और रावण की कथा में सांस लेता रहा है और वह मर्यादा बनाम अंहकार का फर्क बूझने की समझ लिए रहा है। बावजूद इसके यदि आज हिंदू भक्त रावणों के अंहकार को अपनी सुरक्षा, अपने भय (मुसलमानों, सेकुलरों, बुद्धी–विवेकी अर्थात बकौल मोदी दिमागी नक्सल) का निदान मानते है तो अनुमान लगाए कि कृष्ण मेनन,केडी मालवीय, पीएन हक्सर, नरूल हसन, राजेश्वरराव, गोपी अरोड़ा, मणिशंकर अय्यर, हरकिशनसिंह सुरजीत, सोनिया गांधी के एनएसी सलाहकारों, प्रकाश करात, और पिछले बारह वर्षों से कभी (दिवंगत) सीताराम यचूरी, कन्हैया, जयराम रमेश राहुल गांधी के दिल–दिमाग को जैसे लेफ्ट, प्रोग्रेसिव, कम्युनिस्टी जुमलों में भटका रहे है तो अस्सी साला इतिहास का सत्य क्या बनता है?

उपरोक्त एक पैराग्राफ स्वतंत्र भारत के अस्सी साला इतिहास का वह सार–संक्षेप है जिसकी गहराई, घटनाक्रम और तथ्यों को जितना जानेंगे, उतना समझ आएगा कि भारत राष्ट्र–राज्य का सनातनी हिंदू कितना और कैसे राम (मर्याद) रामराज्य, गांधी, सावरकर, मदनमोहन मालवीय के विचारों से भटका तो आत्मविवेक, सामान्य धर्म, नैमेत्तिक धर्म, कर्म, पुरषार्थ, स्वाभिमानी और निर्भयी, स्वालंबी जीवन की पूंजी को भी गंवा बैठा!

सवाल केवल यह नहीं है कि हिंदू कहां से कहां पहुंचा। बड़ा सवाल है कि उसे वहां पहुंचाने में स्वतंत्र भारत की सत्ता और उसके वैचारिक सलाहकारों ने क्या–क्या किया? किसने नागरिक को पहले सरकार का आश्रित बनाया, फिर अधिकारों का याचक और अंततरू जाति–धर्म की पहचान में अपना हिस्सा खोजता टुकध्डखोड लाभार्थी बना दिया? तभी कम्युनिस्ट–वामपंथ का प्रभाव केवल धर्मनिरपेक्षता का सवाल नहीं है। वह राज्य, समाज, अर्थव्यवस्था और नागरिककृचारों के रिश्ते का सवाल बनता है।

सोचे क्या और कैसा है आज का सनातनी? कोई सौ करोड लोग पांच सौ–हजार रू के लाभार्थी हो गए है। खैरात, रेवडियों और आरक्षण के लिए बिलबिलाते हुए। इसके दोषी नरेंद्र मोदी से ज्यादा सोनिया गांधी–एक्टिविस्टों से भरी एनएसी की बनवाई राजनैतिक शब्दावली है। अर्थात मेहनत, पुरुषार्थ, परिश्रम और स्वावलंबन के साथ नागरिक की जिम्मेदारी की जगह राजनीति के केंद्र में केवल श्अधिकारस्य और श्हकदारीय का आग्रह बनाया। अधिकार–आधारित हकदारी, सामाजिक न्याय, रोजगार गारंटी, भोजन का अधिकार, सूचना का अधिकार, वन अधिकार आदि–आदि। इनमें कई अधिकार अपने आप में जरूरी और न्यायसंगत हो सकते हैय पर सवाल उनका होना नहीं, बल्कि, राजनीति, सिस्टम का पूरा व्याकरण अधिकार पाने और सरकार से पाने में सिमटने का है। नेहरू ने समाजवादी मॉडल में लोगों को राशन बांटना शुरू किया और सरकार को उद्यमी, पूंजी–धन अर्जन, टैक्स वसूली का माईबाप बनाया।

आज का राशिफल

मेष राशि

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कारोबार से रिलेटेड कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में बेनिफिट देंगे।

वृष राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज आप ऑफिस में नए प्रोजेक्ट को लेकर स्टाफ के साथ डिस्कशन कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतरीन सुझाव मिलेंगे।

मिथुन राशि

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के साथ–साथ नए टारगेट भी बना लेंगे। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे,

कर्क राशि

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा, जिसकी वजह से आपके अधिकतर काम निपट जाएंगे।

सिंह राशि

आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप पिता के साथ कारोबार में हाथ बटाएंगे,

कन्या राशि

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने को लेकर किसी एक्सपर्ट की राय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि

आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमाएंगे और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहने वाला है। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है, आपके काम से बॉस बहुत खुश होंगे।

धनु राशि

आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभ का दिन है, आपको बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं।

मकर राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक बना रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर सकते हैं,।

कुंभ राशि

आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस में बड़ा लाभ कमाएंगे और आपके व्यापार की ग्रोथ बढ़ेगी।

मीन राशि

आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है,अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आगामी कजरी तीज मेला के दृष्टिगत विभूतिनाथ मन्दिर परिसर में बैठक सम्पन्न

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग, पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद की अध्यक्षता में विकास खण्ड सिरसिया के अन्तर्गत विभूतिनाथ मन्दिर पर आगामी कजरी तीज मेला एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत मन्दिर परिसर में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि मेले में आने वाले मेलार्थियोंध श्रृद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसलिए सम्बन्धित अधिकारीगण निरन्तर भ्रमण कर सभी व्यवस्थाएं कजरी तीज मेले से पूर्व ही सुनिश्चित कर लें, ताकि मेले को शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जा सके। यदि किसी भी अधिकारी द्वारा इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बरती गई तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि मेले को शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसलिए जिला प्रशासन के अधिकारी व मेला प्रबन्ध कमेटी के सदस्य आपस में समन्वय बनाकर मेले को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न करायें। उन्होने मेलाक्षेत्र में मन्दिर परिसरध्मन्दिर आने–जाने के लिए रास्ता खाली होना चाहिए। सभी कच्चे पक्के मार्गो पर चौबिसों घण्टे साफ–सफाई आदि व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित कराने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया है। आने–जाने वाले मार्गो पर गडढो की मरम्मत कर दोनों तरफ झाड़िया साफ करा दी जाए, इसके लिए उन्होने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होने मेलार्थियों को शुद्ध पेयजल हेतु आवश्यकतानुरूप सम्बन्धित स्थलों पर पानी टैंकर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भिनगा को भी निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि पानी की शुद्धता मापकर ही उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया है कि मेले में स्वास्थ्य कैंप, कुशल चिकित्सकों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं से सुसज्जित मोबाइल एम्बुलेंस की उपलब्धता मेला समाप्ति तक मेला परिसर में सुनिश्चित की जाएं। साथ ही मेडिकल टीम के पास ऐंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। टीम में महिला चिकित्सक भी मौजूद रहे, जिससे महिलाओं को कोई दिक्कत न होने पाये। मेला परिसर में कन्ट्रोलरूमध्खोया–पाया केन्द्र की भी व्यवस्था की जाए। मेला के प्रारम्भ होने से मेला की समाप्ति तक खाद्य पदार्थो की सैम्पलिंग भी की जाए, ताकि गुणवत्ताहीन खाद्य पदार्थ किसी भी दशा में न बिकने पाये, इसके लिए खाद्य निरीक्षक को निरन्तर निगरानी रखने का निर्देश दिया है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए मेले में झूला लगाने वालों से एन0ओ0सी0 प्राप्त करने के उपरान्त ही अनुमति प्रदान की जाए। यदि झूला लगाने या झूले से सम्बन्धित कोई भी समस्या प्रतीत होती है, तो कदापि अनुमति न प्रदान की जाए। क्योंकि हमारी प्राथमिकता श्रृद्धालुओं की सुरक्षा है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा ''सेवा संकल्प अभियान'', जिलाधिकारी ने बैठक कर दिये आवश्यक निर्देश

श्रावस्ती। शासन के मंशानुसार प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ''सेवा संकल्प अभियान'' चलाया जाएगा। जनपद में उक्त अभियान के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों की समीक्षा बैठक की गई। इसमें अभियान के सफल संचालन और ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि यह अभियान प्रधानमंत्री के 25 साल के सार्वजनिक जीवन की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को ''विकसित भारत–2047'' के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के जरिए केंद्र सरकार की 12 साल और राज्य सरकार की 10 साल की जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पात्र लोगों को इन योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत कई कार्यक्रम अलग–अलग चरणों में होंगे। शुरुआत में ''सेवा दिवस–आशीर्वाद का दीया'' कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा स्कूलों में चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी। सांस्कृतिक टोलियां ''नमो सेवा'' विषय पर नुक्कड़ नाटक करके जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करेंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों पर ''आंगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन दिवसीय उत्सव एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, आशा दीदी एवं उत्कृष्ट लाभार्थी माताओं का सार्वजनिक सम्मान एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम, देश एवं प्रदेश में महिला एवं बाल विकास हेतु योजनाओं एवं कार्यक्रमों से आए बदलावों की जानकारी वाली एक पुस्तिका वितरत की जाएगी और प्राप्त पत्र पढ़ा जाएगा। हेल्थी बेबी प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण, बच्चों को कॉमिक बुक्स, खिलोने, फल एवं मिठाई का वितरण, इसके अतिरिक्त पोषाहारध्सामग्री वितरण किया जाएगा।

इसके अलावा विकासखंड स्तर पर 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे। इनके जरिए पात्र लोगों को अलग–अलग योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। अभियान के दौरान डिजिटल और सोशल मीडिया से जुड़ी गतिविधियां भी होंगी। 'सेवा ज्योति कलश यात्रा–विकसित भारत संकल्प', सेवा फर्स्ट इनोवेशन चौलेंज, सेवा मेरा योगदान, सुशासन सेवा संवाद कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। 'जनसेवा महाकुंभ' जैसे खास आयोजन भी किए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने विभाग से जुड़े लाभार्थियों का डेटा तैयार करें।

देवहट गांव में सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली बाइक, पुलिस जांच में जुटी

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र केध् ड्रमंडगंज देवघाट मार्ग स्थित देवहट गांव में सड़क किनारे एक बाइक लावारिस हालत में खड़ी देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। गुरुवार की देर रात से ही सड़क किनारे बाइक खड़ी देख ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस लावारिस बाइक की जांच–पड़ताल करते हुए थाने ले गई। लावारिस हालत में मिली हीरो स्पलेंडर बाइक के नंबर प्लेट पर प्रयागराज जिले का नंबर अंकित है। वहीं गांव में लावारिस हालत में बाइक मिलने पर ग्रामीणों में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। ग्रामीणों का कहना है पूरी रात देवहट गांव में बाइक सड़क किनारे लावारिस हालत में पड़ी थी लेकिन पुलिस की नजर बाइक पर नही पड़ी। जिससे क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एसआई पुनीत गुप्ता ने बताया कि देवहट गांव में सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली बाइक को थाना परिसर में खड़ी करवाया गया है। बाइक के नंबर प्लेट और चेचिस नंबर के आधार पर बाइक मालिक का पता लगाया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

48 लाख की लैब में सीपेज, बिजली गई तो थम जाती हैं मरीजों की जांच

लालगंज, मीरजापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में करीब 48 लाख रुपये की लागत से बनी 63 प्रकार की जांच प्रयोगशाला में बिजली व्यवस्था का कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं है। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर मरीजों की जांच रुक जाती है और उन्हें बिजली आने का इंतजार करना पड़ता है। नवनिर्मित भवन में सीपेज भी मिला। शुक्रवार को सीएमओ डॉ. केके मिश्रा और डिप्टी सीएमओ मुकेश प्रसाद के निरीक्षण में यह स्थिति सामने आई। सीएमओ ने लैब टेक्नीशियन कृष्णा से जांच व्यवस्था की जानकारी ली। उसने बताया कि बिजली रहने पर ही जांच की जाती है। वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था नहीं होने से बिजली कटने पर जांच प्रभावित होती है। इससे मरीजों को रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ता है। सीएमओ ने भवन में सीपेज की स्थिति भी देखी।निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में तीन कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इनमें एक कर्मचारी चिकित्सकीय अवकाश पर था। सीएमओ ने ओपीडी, दवा वितरण, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्सरे और प्रसव व्यवस्था का भी जायजा लिया।अधीक्षक डॉ मनोज सिंह ने बताया कि ओपीडी नियमित चल रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 450 से 500 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सीएमओ ने चीफ फार्मासिस्ट एसएन सरोज और फार्मासिस्ट अवधेश द्विवेदी से दवाओं की उपलब्धता और वितरण की जानकारी ली।अल्ट्रासाउंड कक्ष में विशेषज्ञ डॉ संजय सिंह से गर्भवती महिलाओं की जांच के बारे में पूछा। डिजिटल एक्सरे केंद्र में प्रतिदिन होने वाली जांच की जानकारी ली। मरीज रमेश से अस्पताल की सुविधाओं के बारे में पूछा। रीता ने बताया कि घुटने में दर्द होने पर उसका एक्सरे कराया गया है। पांच दिन से बुखार से पीड़ित मनीराम ने बताया कि जांच में वायरल संक्रमण मिला है।सीएमओ ने आरबीएसके टीम के डॉ एसपी सिंह से क्षेत्र में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों और डॉ अमर बहादुर से प्रसव व्यवस्था की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान डॉ. उपेंद्रनाथ पाठक, डॉ. शिवम, लैब टेक्नीशियन मुकेश सिंह, सिद्धार्थ उपाध्याय, राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सहारनपुर प्रकरण के बाद मेरठ में संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल

मेरठ। सहारनपुर मस्जिद प्रकरण के बाद मेरठ पुलिस भी शुक्रवार की जुमे की नमाज को लेकर पूरी तरह अलर्ट रही। शहर के संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस और पीएसी के जवान लगाए गए।एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के अनुसार, सहारनपुर की घटना के बाद किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाई गई। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और पूर्व में विवाद की स्थिति वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई।ड्रोन से निगरानी, गलियों और छतों पर भी नजरमेरठ में सुरक्षा व्यवस्था के तहत ड्रोन के जरिये भी निगरानी की गई। छतों और गलियों पर नजर रखी गई। जुमे की नमाज से पहले पुलिसकर्मियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। बाजारों और प्रमुख चौराहों पर भी पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय पुलिसकर्मियों को छोटी से छोटी सूचना को भी गंभीरता से लेने और तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।सोशल मीडिया पर भी नजर मेरठ पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर रख रही है। अधिकारियों ने कहा कि भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है।

विशेष लोक अदालत में किया गया 770 आपराधिक वादो का निस्तारण

मेरठ। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय जिला न्यायाधीशध् अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेरठ श्री अरविन्द कुमार मिश्रा–द्वितीय के मार्गदर्शन में 10 सितम्बर 2026 को आपराधिक वादो का निस्तारण किये जाने हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया तथा विशेष लोक अदालत में निस्तारित वादो का विवरण निम्नवत है–1. श्रीमती नीरज कुशवाह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मेरठ द्वारा 106 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।2. श्रीमती नम्रता सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–01 मेरठ द्वारा 400 आपराधिक वादों का निस्तारण किया गया। 3. श्री अनुज कुमार ठाकुर, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–04 मेरठ द्वारा 12 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।

4. श्री सावन कुमार विकास, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–07 मेरठ द्वारा 20 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।5. श्री अर्पित सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–09 मेरठ द्वारा 09 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।6. श्री अंकुर चित्रांसी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–08 मेरठ द्वारा 137 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।7. श्रीमती अंजुम सैफी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायलय संख्या–10 मेरठ द्वारा 03 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।8. श्री दिनेश कुमार दिवाकर, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या– 02 द्वारा 50 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।9. श्री कृपा शंकर, अपर सिविल जज (सी०डि०) न्यायालय संख्या–10, द्वारा 05 आपराधिक वाद का निस्तारण किया गया है। 10. श्री आशुतोष प्रशान्त शुक्ला, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायालय संख्या–09 मेरठ द्वारा 10 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।11. श्रीमती आकांक्षा गुप्ता, अपर सिविल जज (सी०डि०) न्यायालय संख्या–05 मेरठ द्वारा 01 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया। 12. श्री प्रशान्त मौर्या, सिविल जज (जू०डि०), मवाना, मेरठ के द्वारा 03 आपराधिक वादों का निस्तारण किया गया।13. सुश्री संज्ञा यदुवंशी, न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या–02 मेरठ द्वारा 04 आपराधिक वाद का निस्तारण किया गया है। 14. सुश्री ज्योति शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या–03 मेरठ द्वारा 07 आपराधिक वाद का निस्तारण किया गया है। 15. श्री प्रवीण, सिविल जज (जू0डि0) सरधना मेरठ द्वारा 03 आपराधिक वादो का निस्तारण किया गया।

मेरठ में बैंककर्मी माल रोड पर पांच दिन वर्किंग समेत विभिन्न मांगों को लेकर कर रहे प्रदर्शन

मेरठ। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को मेरठ के बैंक कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर हैं। हड़ताल के चलते शहर और आसपास की बैंक शाखाओं में सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो रहीं। कैश जमा–निकासी, चेक से जुड़े काम और अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए पहुंचने वाले ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मेरठ में हड़ताल के समर्थन में माल रोड स्थित इंडियन बैंक कार्यालय पर सामूहिक प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें शहर के विभिन्न बैंकों से जुड़े यूनियनों के पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे। कर्मचारी अपने संगठन के झंडे और बैनर लेकर मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे है। संगठन की ओर से कर्मचारियों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई थी ।

पांच दिन वर्किंग समेत विभिन्न मांगों को लेकर कर रहे हड़ताल

हड़ताल की जानकारी नहीं होने के कारण कई ग्राहक अपने जरूरी बैंकिंग काम के लिए सुबह ही बैंक पहुंच गए। लेकिन बैंक के गेट बंद मिलने पर उन्हें बाहर ही इंतजार करना पड़ा। कई ग्राहकों को मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि बैंक कर्मचारी हड़ताल पर हैं और आज कामकाज नहीं होगा। इससे लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। शहर के अलग–अलग बैंक शाखाओं के बाहर कुछ इसी तरह का नजारा देखने को मिला। हड़ताल के कारण कैश जमा करने, निकासी, चेक से जुड़े काम और अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। हालांकि ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल भुगतान जैसी सेवाएं जारी रहीं।यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मेरठ यूनिट के सचिव एवं आईबीईयू यूपी के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी ललित कुमार शर्मा ने बताया कि हड़ताल का मुख्य उद्देश्य बैंक कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर सरकार और संबंधित स्तर पर दबाव बनाना है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करना, भेदभावपूर्ण पीएलआई व्यवस्था में सुधार, पीएलआई से जुड़े मामलों का समाधान और पुराने द्विपक्षीय समझौते के अनुसार केंद्रीय मुद्दों का समाधान शामिल है।उन्होंने कहा– लंबे समय से कर्मचारियों की विभिन्न मांगें लंबित हैं। इन्हीं मांगों को लेकर देशभर में एक साथ हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

ड्रमंडगंज वनरेंज के जंगलों से निकलकर मध्यप्रदेश के गांव में पहुंचा हाथियों का जोड़ा, वन विभाग ने ली राहत की सांस

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से भटककर ड्रमंडगंज वनरेंज में पहुंचा हाथियों का जोड़ा गुरुवार को भैसोड़ बलाय पहाड़ जंगल से निकलकर मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गया। शुक्रवार को हाथी और हथिनी जंगलों से होते हुए कई गांवों को पार करते हुए मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के पटेहरी गांव में जा पहुंचे जहां स्थानीय लोगों ने हाथी व हथिनी का वीडियो फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी ने बताया कि बांधवगढ़ से आए हाथियों का जोड़ा गुरुवार को मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गया था हाथी व हथिनी जंगलों से निकलकर मध्यप्रदेश के गांवों में पहुंच गए हैं। वनरक्षक ने बताया कि शुक्रवार को मऊगंज के पटेहरी गांव में हाथियों का जोड़ा चहलकदमी करते हुए पाया गया। मध्यप्रदेश की वनविभाग की टीम हाथियों के जोड़ा की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। बांधवगढ़ से आए हाथियों ने क्षेत्र के महुगढ़ी, लहुरियादह व भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव में मक्का, धान की फसल रौंदते हुए किसानों के मड़हे व मचान को उजाड़कर नष्ट कर दिया था। हाथियों के मध्य प्रदेश जाने पर जंगल से सटे गांव के लोगों ने राहत की सांस ली है।

विधानसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति ने लंबित आश्वासनों की विभागवार की समीक्षा

मेरठ। आज विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान सभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के मा0 सभापति मो0 फहीम इरफान की अध्यक्षता में जनपद के विभिन्न विभागों के लंबित आश्वासनों के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में मा0 सभापति ने समिति के कार्य एवं उद्देश्य के बारे में अवगत कराया। समिति द्वारा नगर विकास, कारागार, खाद्य एवं रसद, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, प्रदूषण, वन विभाग, राजस्व, लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज, खनन, ऊर्जा, समाज कल्याण आदि विभागों के लंबित आश्वासनों संबंधी प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की गई। विकास भवन सभागार आगमन पर जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने मा0 सभापति व सदस्यों को शॉल एवं पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया तथा मोमेंटो भेंट किया।

मा0 सभापति ने कहा कि हम सभी का उद्देश्य विभिन्न समस्याओं पर सकारात्मक चर्चा करते हुए योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है तथा आमजन को सरकार के विकास कार्यों एवं योजनाओं का ठीक से लाभ उपलब्ध कराना है। समिति के समक्ष प्रत्येक विभाग द्वारा लंबित आश्वासनों के सापेक्ष की गई विभागीय कार्यवाही एवं आख्या प्रस्तुत की गई। बिंदुवार समीक्षा एवं निस्तारण की कार्यवाही का अवलोकन करते हुए मा0 सभापति द्वारा निर्देशित किया गया कि समिति द्वारा जिन बिंदुओं पर अपेक्षित जांचधनिस्तारण आख्या हेतु निर्देशित किया गया है, उसे समय से समिति को उपलब्ध करा दें तथा समिति द्वारा विभिन्न विकास कार्यों में जो अपेक्षा सुनिश्चित की गई है, उस पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। समिति के समक्ष जनपद में तैयार किए गए मॉडल स्कूल की प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा बेसिक शिक्षा के स्कूलों में लाए जा रहे आमूल परिवर्तन एवं सकारात्मक प्रयासों की प्रशंसा की गई। जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह ने माननीय सभापति को आश्वस्त करते हुए कहा कि समिति ने जो भी सुझावधनिर्देश दिए हैं, उनका प्राथमिकता पर अनुपालन तथा लंबित आश्वासनों का शत–प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित कराया जायेगा।

इस अवसर पर मा0 सदस्य श्री मनोज कुमार प्रजापति, मा0 सदस्य श्री राजेन्द्र कुमार, सीडीओ नूपुर गोयल, उपाध्यक्ष मेडा संजय कुमार मीणा, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग वंदना फोगाट, सीएमओ डा0 राम प्रसाद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय वर्धन तोमर, पीडीडीआरडीए सुनील कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, डीपीआरओ वीरेन्द्र सिंह, बीएसए आशा चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लक्ष्य प्राप्त करने को अनुशासन व दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक - लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. गोयल'

गोरखपुर,। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. भूपेश कुमार गोयल ने कहा कि जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अनुशासन और दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यार्थियों को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने ज्ञान और सामर्थ्य का उपयोग समाज के विकास के निमित्त करना चाहिए।लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. गोयल शुक्रवार को महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामदत्तपुर के संयुक्त तत्वावधान में, युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के समाजसेवा, शिक्षा एवं सामाजिक समरसता के क्षेत्र में किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उनके योगदान को समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी बताया। मुख्य अतिथि ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की वर्ष 1932 में स्थापना से लेकर वर्तमान में उसके अंतर्गत संचालित चार दर्जन से अधिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह यात्रा शिक्षा के माध्यम से समाज निर्माण की दीर्घकालीन प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।डॉ. गोयल ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। विद्यार्थियों को अपने आसपास हरियाली बढ़ाने, वृक्षों की देखभाल करने तथा जल, वायु और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने पक्षियों के संरक्षण और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार की आवश्यकता पर भी बल दिया। पक्षी–प्रेमी के रूप में अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को अपने आसपास के पक्षियों एवं जैव–विविधता के संरक्षण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता व्यक्ति के चरित्र और सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। डॉ. गोयल ने विद्यार्थियों से अपने सैन्य सेवाकाल के अनुभव भी साझा किए तथा अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, परिश्रम और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. हर्षिता सिंह ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीसीटीवी तोड़कर दुकान में चोरी, नगदी व सामान ले गए चोर

मड़िहान, मीरजापुर। थाना संतनगर क्षेत्र के दीपनगर में गुरुवार की रात करीब 1रू30 बजे चोरों ने दुकान का ताला काटकर नगदी व सामान चोरी कर लिया। वारदात के दौरान चोरों ने सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया। घटना से दुकानदारों में दहशत है। जानकारी के अनुसार, ककरद निवासी सौरभ कुमार पुत्र स्वर्गीय मनोज कुमार दीपनगर में पान, टॉफी, बिस्कुट आदि की दुकान चलाते हैं। पीड़ित के मुताबिक, रात में अज्ञात चोर दुकान का ताला काटकर अंदर घुसे और सामान व नगदी लेकर फरार हो गए। इसी दौरान उदयराज का सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया गया। घटना से संबंधित कुछ दृश्य कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना प्रभारी संतनगर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। अब देखना है कि पुलिस चोरी का खुलासा कर आरोपियों को कब तक गिरफ्तार करती है।

55 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का विधायक ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बस्ती। विधानसभा क्षेत्र हर्रैया में शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, खेल और बेहतर आवागमन से जुड़ी करीब 55 करोड़ रुपये की निर्माणाधीन परियोजनाओं का शुक्रवार को विधायक अजय सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्माण कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए।

विधायक ने सबसे पहले थान्हा खास, हर्रैया में लगभग 4.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन आईटीआई कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि संस्थान शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी और रोजगारपरक शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। इसके बाद विधायक बीआरसी हर्रैया परिसर पहुंचे और लगभग 36 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विकासखंड परसरामपुर के ग्राम धरमपुर में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्टेडियम का भी विधायक ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है और यह स्टेडियम क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच बनेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चल रहे संपर्क मार्गों और सड़क निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता के धन का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए और निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। विधायक ने कहा कि हर्रैया की जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें सेवा का अवसर दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए आधुनिक विद्यालय, युवाओं के लिए आईटीआई, खेल प्रतिभाओं के लिए स्टेडियम और बेहतर आवागमन के लिए सड़कों का निर्माण हर्रैया के भविष्य को मजबूत आधार देगा।

काश्तकार की जमीन पर जबरन सड़क निर्माण का आरोप, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रुकवाया काम

मड़िहान, मीरजापुर। थाना संतनगर क्षेत्र के मौजा सिकटही, तहसील मड़िहान में काश्तकार की निजी भूमि पर कथित रूप से जबरन सड़क निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित राजेंद्र प्रसाद पुत्र देवन्दन की शिकायत पर संतनगर पुलिस मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवा दिया। पीड़ित ने थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी भूमिधरी जमीन पर विपक्षीगण द्वारा जबरदस्ती सड़क बनाई जा रही थी। पत्र में संबंधित गाटा संख्या और भूमि का विवरण देते हुए निर्माण कार्य रोकने की मांग की गई है। राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि उसकी जमीन पर बिना सहमति के सड़क निर्माण कराया जा रहा था, जिससे उसके भूमि अधिकार प्रभावित हो रहे थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फिलहाल काम रुकवा दिया।पीड़ित ने पुलिस व प्रशासन से मामले की जांच कराकर उसकी भूमि पर हो रहे कथित अतिक्रमण को रोकने तथा न्याय दिलाने की मांग की है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 13 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

डीआरआई ने बाढ़ पीड़ित कृषकों से किया संवाद, 210 परिवारों को बांटे तिरपाल

चित्रकूट। अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट और मानिकपुर क्षेत्र के किसानों की मदद के लिए दीनदयाल शोध संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां ने राहत अभियान तेज कर दिया है। केवीके की टीम ने जारोमाफी, करौहा, झरी, चुल्ही, रिहुनियां, गोपीपुर, डांडीकोलान समेत रमपुरवा बैहार आदि प्रभावित गांवों का दौरा कर खेतों में फसल क्षति का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों को तिरपाल का वितरण किया गया। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमिताभ वशिष्ठ ने अतिवृष्टि से प्रभावित ग्राम रामपुरवा बैहार का भ्रमण कर बाढ़ पीड़ित .षकों से संवाद किया। उन्होंने किसानों से बाढ़ के कारण फसलों एवं आवासीय घरों को हुई क्षति की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। श्री वशिष्ठ ने किसानों को बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान का प्रत्येक कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर राहत एवं सहयोग कार्य में जुटा हुआ है। .षि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक भी लगातार बाढ़ प्रभावित ग्रामों का भ्रमण कर फसलों को हुए नुकसान का जायजा ले रहे हैं तथा किसानों को फसल बचाव, जल निकास एवं आगामी .षि कार्यों के संबंध में आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने .षकों से कहा कि बाढ़ से जो नुकसान हो चुका है, उसके बारे में अधिक चिंतित होने के बजाय अब आगामी रबी फसलों की तैयारी पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि .षि विज्ञान केंद्र किसानों को गुणवत्ता युक्त एवं उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने तथा रबी फसलों की बेहतर तैयारी में हर संभव तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। किसानों को समय पर .षि संबंधी सलाह एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर अमिताभ वशिष्ठ ने बाढ़ से जिन .षकों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, ऐसे पीड़ित .षक परिवारों को तिरपाल वितरित किए। जिससे उन्हें अस्थायी रूप से अपने परिवार एवं घरेलू सामान को सुरक्षित रखने में सहायता मिल सके। भ्रमण के दौरान .षि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आरएस नेगी, वैज्ञानिक उत्तम त्रिपाठी, निकरा परियोजना के शोध अध्येता डॉ. साथी पाठक तथा परियोजना सहायक अभय कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

श्रीतुलसीपीठ सेवा न्यास एवं रामानन्द मिशन द्वारा बाढ़ पीड़ितों को बांटी जाएगी राहत सामग्री

चित्रकूट। भीषण बाढ़ के बाद श्रीतुलसीपीठ सेवा न्यास एवं रामानन्द मिशन द्वारा बाढ़ राहत अभियान के क्रम मे एक हजार परिवारों और साधु–संतों तक सहायता सामग्री पहुँचेगी।

तीर्थक्षेत्र चित्रकूट में बाढ़ से उत्पन्न हुई भीषण परिस्थितियों को देखते हुए श्रीतुलसीपीठ सेवा न्यास और रामानन्द मिशन के तत्वावधान में एक व्यापक राहत अभियान शुरू किया गया है। इस सेवा–यज्ञ के अंतर्गत बाढ़ से प्रभावित एक हजार जरूरतमंद परिवारों और आश्रमों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुँचाने का संकल्प लिया गया है। बाढ़ की विभीषिका के कारण अपने घर और रोजमर्रा के साधन खो चुके परिवारों के पुनर्वास के लिए न्यास द्वारा विशेष बाढ़ राहत किट तैयार की गई हैं। प्रत्येक किट में दैनिक जीवन से जुड़ी अनिवार्य वस्तुएँ शामिल हैं। आवास एवं शयन सामग्रीः गद्दा, रजाई, मच्छरदानी, चादर, दरी एवं चटाई। स्वच्छता एवं भोजनः बाथरूम एवं स्वच्छता किट, 4 थाली, 4 गिलास और राशन सामग्री। वस्त्र एवं अन्यः पहनने योग्य आवश्यक कपड़े। साधु–संतों की साधना हेतु विशेष सहयोग। रामानन्द मिशन के कार्यकर्ताओं (धर्मयोद्धाओं) द्वारा चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के साथ–साथ बीहड़ जंगलों में निवास करने वाले साधु–संतों तक भी राहत सामग्री वितरित की गई। बाढ़ के कारण संतों की साधना में आए व्यवधान को दूर करने के उद्देश्य से श्री तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास जी महाराज के नेतृत्व में यह सामग्री पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ सौंपी गई। आचार्य रामचन्द्र दास जी महाराज ने बताया कि बाढ़ के कारण जिन परिवारों की दैनिक आवश्यकताएँ नष्ट हो गई हैं, उनके जीवन में पुनः आशा, सम्मान और सहारा पहुँचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने आमजन से इस सेवा–यज्ञ में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि ष्सेवा ही साधना है, सेवा ही समर्पण है।

रामसैया से भरतकूप तक लगेंगी 95 अस्थायी सोलर लाइटें

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि रामसैया से भरतकूप तक 60 स्थायी सोलर लाइटें लगाई जा चुकी हैं। जबकि 35 और लाइटें लगाई जानी हैं। इस प्रकार कुल 95 सोलर लाइटें जिला पंचायत मद से स्थापित की जाएंगी तथा रखरखाव जिला पंचायत द्वारा पांच वर्ष तक किया जाएगा। लाइटों की व्यवस्था से अमावस्या मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी तथा रात्रि के समय परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गोल्ड मेडलिस्ट डा. शिल्पी त्रिपाठी ने प्रदेश में किया टाॅप

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं बीएससी में गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. शिल्पी त्रिपाठी ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत आयोजित वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। सात सितंबर को घोषित परिणाम में डॉ. शिल्पी ने अनारक्षित वर्ग की मुख्य चयन सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए फॉरेंसिक अफसर के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया है। डॉ. शिल्पी त्रिपाठी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

डीएम ने की बाढ, अतिवृष्टि से फसल क्षति सर्वे की समीक्षा

चित्रकूट। बाढ़, अतिवृष्टि एवं आपदा से प्रभावित फसलों की क्षति के सर्वे की समीक्षा की गई। 160 प्रभावित राजस्व ग्रामों में संयुक्त टीम द्वारा सर्वे किया जा रहा है। अब तक 15 से 20 ग्रामों में तिल एवं अरहर की 50 प्रतिशत से अधिक तथा कुछ ग्रामों में ज्वार की फसल क्षति सामने आई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्राप्त 492 व्यक्तिगत दावों में 257 का सर्वे पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 235 दावों का सर्वे प्रक्रियाधीन है। सर्वेक्षण कार्य अधि.त के माध्यम से बीमा कंपनी के सर्वेयर एवं .षि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। डीएम पुलकित गर्ग ने बीमा कंपनी एवं .षि विभाग को अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे कार्य में तेजी लाते हुए अधिक से अधिक पात्र एवं बीमित .षकों को फसल बीमा एवं आपदा राहत का लाभ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

मानदेय बढ़ने की घोषणा से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं में खुशी की लहर

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी व कैशलेस इलाज उपलब्ध कराए जाने की गई घोषणा से जिले की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं में खुशी की लहर है। कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री की घोषणा को अपने सम्मान और उत्साह को बढ़ाने वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि सरकार की ओर से उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों को महत्व दिया जाना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। अयोध्या में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का यहां बरकछा स्थित बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के सभागार में लाइव प्रसारण किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं मौजूद रहीं। आंगनवाड़ी केंद्र चिल्ह तृतीय की आंगनवाड़ी कार्यकत्री विद्यादेवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने से उन्हें बहुत खुशी हुई है। विद्यादेवी ने कहा कि सरकार ने कैशलेस इलाज की सुविधा से उन्हें जोड़कर उनके श्रम का सम्मान किया है। आंगनवाड़ी केंद्र मलाधरपुर प्रथम की सहायिका क्रांति देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री के साथ मिलकर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करना उनकी नियमित जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने व कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा से उनकी जैसी हजारों सहायिकाओं में उत्साह बढ़ा है। सरकार का यह कदम उनके परिवार के लिए भी राहत और खुशी लेकर आने वाला है। इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्र अमोई द्वितीय की कार्यकत्री संजीता देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार और लाभार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से लेकर महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में उनका अहम योगदान होता है। ऐसे में सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाए जाने व कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने से उन्हें अपने दायित्वों को और बेहतर ढंग से निभाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के हित में उठाए जा रहे कदम उनके मनोबल को बढ़ाने वाले हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये व सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने की घोषणा की है।

मृतक कल्लू की घायल पत्नी को दिए 21 हजार

चित्रकूट। जनपद के शिक्षकों की तरफ से चल रहे राहत अभियान के क्रम मे शुक्रवार को सदर ब्लाक के पुरवा तरौंहा मे राशन किट का वितरण कराया गया। इसके पश्चात बराछ गांव मे घर गिरने से कल्लू यादव और उनके दो बच्चों की दुखद मृत्यु पर श्रद्धांजलि देने उनके आवास गये और उनके घायल पत्नी और बेटी को 21 हजार रुपये की आर्थिक मदद की गयी। नगर क्षेत्र के तरौंहा के प्रभावित पीडित परिवारों और बंधुइन तथा केवटन पुरवा के बाढ प्रभावित परिवारों को राशन किट का वितरण किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय, देवकुमार यादव, वन्दना यादव, इन्द्रेश कुमार श्रीवास्तव, बृजेश त्रिपाठी, सुशील कुशवाहा, अनूप शुक्ला, राजकुमार, महेश प्रजापति, प्रवेन्द्र चौहान, कप्तान सिंह, वीरेंद्र चौधरी, अमजद खान, केके राजपूत उपस्थित रहे।

यमुना में डूबी वृद्धा की मौत

चित्रकूट। यमुना नदी में स्नान करने पहुंचीं उदवा देवी (70) पैर फिसलने से पानी में डूब गईं। दो घंटे तक घर न पहुंचने पर उनके स्वजन ने ढूंढना शुरु किया तो नदी किनारे उनकी डंडी और चप्पल मिलीं। नदी में गांव के दो युवकों ने एक घंट में उन्हें ढूंढ निकाला लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी।

मऊ थाना क्षेत्र के पूरबपताई के फाटा का पुरवा निवासी रामदयाल पाल ने बताया कि उसकी मां उदवा देवी शुक्रवार को भदई अमावस्या पर सुबह लगभग छह बजे अकेले की घर से लगभग एक किमी दूर यमुना नदी में स्नान करने गईं। दो घंटे तक उनके न लौटने पर खोजबीन शुरु की। कुछ लोगों ने बताया कि नदी की ओर जाते देखा है। घाट किनारे उनकी डंडी और चप्पल पड़ी मिली तो पानी में डूबने की आशंका पर गांव के युवकों ने नदी में खोजबीन शुरु की। उन्हें ढूंढ कर बाहर लाए। उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

चित्रकूट। हाईवे पर मऊ थाना क्षेत्र के लालता रोड के सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकरा गई। इसमें बाइक सवार दाडी पहाडपुरवा निवासी मुकेश कुमार (26) गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डांडी गांव निवासी इंद्रेश कुमार ने बताया कि उसका पौत्र मऊ के दाडी निवासी मुकेश कुमार गुरुवार को अपनी दबवा खंडेहा गांव निवासी मौसी के सरधुवा गांव स्थित मंदिर में भंडारे में शामिल होने बाइक से गया था। वहां से लौटकर लालता रोड होते हुए मऊ की ओर जा रहा था तभी देर रात को सड़क किनारे एक ट्रक बिना लाइट जलाए खड़ा था। इससे वह समझ नहीं देख पाया और ट्रक से आकर टकरा गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शुक्रवार की दोपहर को उसकी मौत हो गई।

व्यापारियों ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

चित्रकूट। भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर शुक्रवार को कर्वी गल्ला मंडी के गल्ला व्यापारियों के सौजन्य से स्टेशन रोड कर्वी में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। व्यापारी नेता गुलाब गुप्ता ने बताया कि भंडारा का यह 14वां साल है। भंडारे में सभी गल्ला व्यापारियों के सहयोग से 35 कुंतल पूरी, सब्जी से लगभग 15 हजार लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में सहयोग करने वाले शिवमंगल सिंह, राजीव अग्रवाल, सोनू शर्मा, सोनू कुमार, अनिल अग्रहरि, सूर्यकुमार, सेठ श्याम लाल सिंह, संजय केसरी, संतोष कुमार केसरवानी, विनोद कुमार गुप्ता, मनोज कुमार, पवनेश कुमार केसरवानी, उमा दत्त पांडेय, बद्री प्रसाद केसरवानी, गंगा प्रसाद, कौशल किशोर, सुंदरलाल, विमलेश कुमार, लक्ष्मी प्रसाद केसरवानी, रंजन कुमार, सुमेरचंद, सीताराम, मनीष सिंह, सलाउद्दीन, मोहन जैन, लालमन, राजेश, नत्थू, सोनू, मोनू, आशीष, राजेश, सुभाष, मोहित सहित अनेकों व्यापारियों का सहयोग रहा।

सर्पदंश से बालक समेत अधेड़ की मौत

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के उड़कीमाफी गांव निवासी सुमन ने बताया कि शुक्रवार की सुबह उसका पुत्र छह वर्षीय शिवम सोकर उठा और बाहर जाने के लिए एक किनारे रखी चप्पल पहनने लगा। वहीं पर मौजूद सर्प ने उसे डस लिया। सर्प दंश की जानकारी होने पर उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके अलावा भौंरी के तरकहापुरवा निवासी शिवस्वरुप ने बताया कि गुरुवार की शाम को उसके पिता दरबारीलाल (52) घर से यह कहकर गए कि खेत में खाद छिड़कने जा रहे हैं। रात लगभग आठ बजे तक उनके न लौटने पर स्वजन खेत पहुंचे तो वहां पर वह बेहोश पड़े मिले। उनके पैर में सर्प दंश के निशान होने पर आनन फानन उन्हें जिला अस्पताल लाए लेकिन यहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रभारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पंचायत राज एवं जिला स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मीरजापुर। पंचायत राज विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं एवं जिला स्वच्छता समिति की बैठक प्रभारी जिलाधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जिला स्वच्छता समिति के सभी सदस्य एवं सभी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) उपस्थित रहे। बैठक में दिये गये प्रमुख दिशा–निर्देश प्रभारी जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि माह नवंबर 2026 तक अवशेष समस्त व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण करें। सामुदायिक शौचालयों की शत–प्रतिशत क्रियाशीलता हेतु सड़क के किनारे संचालित हो रही समस्त सामुदायिक शौचालयों का सर्वे कराकर ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित किया जाए। साथ ही सामुदायिक शौचालयों की शत प्रतिशत क्रियाशीलता हेतु अभिनव प्रयास के अंतर्गत निर्मित शविंध्य स्वच्छता प्रतिष्ठानश को जनरल स्टोर के रूप में विकसित करते हुए क्रियाशील किया जाए तथा विंध्य मार्ट से उत्पादित सामग्री को वहां रखा जाए और अभियान चलाकर माहवारी प्रबंधन हेतु जनपद की समस्त ग्राम सचिवालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी तथा सामुदायिक शौचालय, विंध्य स्वच्छता प्रतिष्ठान पर ग्राम पंचायत के टाइड फंड या प्रधान, प्रशासक तथा एएनएम द्वारा खोले गए संयुक्त खाते की धनराशि से प्रति माह 5000 से व्यवस्था की जाए।इसके साथ ही जनपद में आरआरसी की शत प्रतिशत क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए और केयरटेकर के माध्यम से घर–घर कूड़े का निस्तारण करते हुए आरआरसी में इकट्ठा कर उसे सेग्रीगेट किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक ओएसआर जनरेट किया जाए जिससे उन्हें शासन स्तर से अधिक से अधिक धनराशि प्राप्त हो सके। जनपद में स्थापित इंटीग्रेटेड प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट की सतत क्रियाशीलता एवं उत्पादन तथा विक्रय हेतु निर्देशित किया गया कि सभी सहायक विकास अधिकारी पंचायत प्रत्येक 15 दिवस पर इकट्ठा किए गए प्लास्टिक को वहां पर भेजें। स्वच्छ बाजार अभियान के अंतर्गत जनपद में संचालित 85 बाजारों में स्वच्छता सुविधा हेतु मोबाइल टॉयलेट कम से कम 4 यूनिट का क्रय कर लिया जाए।बायोगैस प्लांट की समीक्षा के दौरान विकासखंड पहाड़ी एवं विकासखंड हलिया की ग्राम पंचायत गौरा में स्थापित प्लांट को जल्द से जल्द ग्राम पंचायत को क्रियाशील करते हुए जल निगम से हस्तांतरित करने हेतु निर्देश दिए गए तथा जितने भी व्यक्तिगत शौचालय सिटिजन पोर्टल पर पेंडिंग हैं उन्हें अभियान चलाकर सत्यापन करते हुए शत–प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को शौचालय से संतृप्त किया जाए।ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अंतर्गत ग्राम पंचायत में बल्क वेस्ट जनरेटर एवं लेगेसी वेस्ट डंपिंग साइट का चिन्हांकन करते हुए उक्त नियम के अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जैसे ढाबा, होटल, रेस्टोरेंट, बारात घर, हॉस्पिटल, बाजार, उद्योग आदि तथा उनसे यूजर चार्ज भी लिया जाए। शमेरा तालाब मेरी जिम्मेदारीश के अंतर्गत जनपद के 405 तालाबों को अभियान चलाकर मॉडल के रूप में विकसित करने हेतु निर्देश दिए गए तथा जनपद को प्लास्टिक फ्री बनाए जाने हेतु दीक्षित पोर्टल पर ज्यादा से ज्यादा पब्लिक के द्वारा ब्लैक स्पॉटों का चिन्हांकन करते हुए एवं चिन्हांकन तथा सफाई के बाद फोटो को भी अपलोड किया जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत नरायनपुर, पहाड़ी के द्वारा कार्यों में लापरवाही बरतने पर शो–कॉज नोटिस एवं शौचालयों के आवेदन पत्रों लम्बित होने पर सहायक विकास अधिकारी जमालपुर, छानबे, लालगंज को शो–कॉज, भरपुरा में प्लास्टिक यूनिट क्रियाशील न होने पर सचिव को नोटिस एवं सहायक विकास अधिकारी को क्रियाशील कराने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार गोधन योजना में ग्राम सचिव को नोटिस जारी के साथ ही एसएलडब्लूएम में शून्य धनराशि व्यय करने पर सहायक विकास अधिकारी जमालपुर को नोटिस जारी करने के साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी विकास खण्डों में 03–03 डिफाल्टर सचिवों को चिन्हित करते हुए नोटिस जारी करना सुनिश्चित करें। डिजिटल लाइब्रेरी में किताबों की संख्या को बढ़ाने के लिए जन समुदाय से डोनेशन के माध्यम से और किताबें रखी जाएं। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी प्रमुख लोगों से संपर्क कर तथा प्रशासक ग्राम पंचायत अपनी–अपनी ग्राम पंचायत में अपने स्रोत से डिजिटल लाइब्रेरी का नवीन निर्माण कराएं जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अधिक से अधिक परीक्षा की तैयारी हेतु सुविधा मिल सके।

विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने की हड़ताल

चित्रकूट। पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य दिवस एवं पीएलआई में मतभेद के विरोध में बैंक कर्मियों ने हड़ताल किया। इससे आमजन को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन के आवाहन पर शुक्रवार को जिले के बैंक बंद रहे। अधिकारी व कर्मचारी हड़ताल पर रहे। इससे लगभग 80 करोड़ रुपए के लेद–देन प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है। मांग किया कि पांच दिवसीय बैंकिंग लागू किया जाए। परफार्मेंस लिंक इंसेंटिव के भेदभाव को समाप्त कर समानता के साथ लागू करें। बैंक कर्मियों ने बैंक के बाहर जोरदार विरोध किया।एलडीएम प्रभात कुमार मेहता को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सेंट्रल बैंक आफ इंडिया नागेन्द्र सिंह, बीओबी के राकेश कुमार, देवेन्द्र कुमार, अर्पित वर्मा, अनूप कुमार चौरसिया, जिला संरक्षक केशव प्रसाद, यूनियन बैंक के कृष्णकांत पटेल, इंडियन बैंक के कुलदीप सिंह, राजशेखर, विष्णु केसरवानी, बीओएम के पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

भाद्रपद अमावस्या पर उमड़ा आस्था का सैलाब

चित्रकूट। प्रभु श्रीराम की तपोस्थली में भदई अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने मां मंदाकिनी में डुबकी लगाकर मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर में शिव जलाभिषेक किया। इसके बाद राम कीं धुन में कामदनाथ की परिक्रमा लगाई। सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस व प्रशासन मुसतैद रहा।

भाद्रपद अमावस्या पर्व पर श्रद्धालुओं के एक दिन पूर्व से मन्नत पूरी करने के लिए धर्मनगरी आने का तांता शुरू हुआ। शुक्रवार को तड़के से मां मंदाकिनी में स्नान को आस्थावानों का हुजूम उमड़ पड़ा। मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर में जलाभिषेक के बाद कामदनाथ मंदिर में मत्था टेका और कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। इस दौरान भजन–कीर्तन, जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहे। रेलवे स्टेशन से लेकर रामघाट तक समाजसेवियों ने जगह–जगह स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं को जलपान कराया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह, अपर एसपी पीयूषकांत राय लगातार मेला क्षेत्र का भ्रमण कर जायजा लेते रहे। ड्यूटी में तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

चित्रकूट। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन ज्योति नारायण ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में भाद्रपद मास अमावस्या मेला के .ष्टिगत मेला क्षेत्र रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान मेला क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई पुलिस व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। उन्होंने मंदाकिनी नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए की गई व्यवस्थाओं, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं घाटों पर पुलिस बल की तैनाती का निरीक्षण किया। साथ ही श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान कराने, नदी के गहरे जल क्षेत्र में जाने से रोकने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीजी ने परिक्रमा मार्ग एवं मेला क्षेत्र में बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों तथा प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित किया गया। संबंधित अधिकारियों को मेला क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की निगरानी करने, घाटों एवं परिक्रमा मार्ग पर विशेष सतर्कता बरतने तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान अपर एसपी पीयूषकान्त राय, क्षेत्राधिकारी नगर सत्येन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने ड्रोन से की निगरानी

चित्रकूट। भाद्रपद अमावस्या मेला में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन के .ष्टिगत सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सु.ढ़ बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस द्वारा मेला क्षेत्र की ड्रोन कैमरे से निगरानी की। ड्रोन निगरानी के माध्यम से रामघाट, निर्मोही अखाड़ा, परिक्रमा मार्ग सहित भीड़ वाले क्षेत्रों, प्रमुख घाटों, पार्किंग स्थलों एवं आवागमन मार्गों की स्थिति का जायजा लिया गया। ड्रोन से प्राप्त फुटेज के आधार पर भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

चित्रकूट। भदई अमावस्या पर कामदगिरि परिक्रमा मार्ग में चरण वंदन फाउंडेशन की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर फाउंडेशन के रामजस द्विवेदी, कौशलेंद्र पांडेय, विमल आदि मौजूद रहे।

रामघाट एवं बूड़े हनुमान घाट का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने भाद्रपद अमावस्या मेले की तैयारियों तथा रामघाट से बूड़े हनुमान घाट तक व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि मार्ग में स्थित ट्रांसफार्मरों को जरूर के अनुसार सुरक्षित स्थान पर शिट कराया जाए तथा बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त होकर गिरे विद्युत पोलों को तत्काल हटवाया जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका कर्वी को निर्देश दिए कि नालों के ऊपर किसी भी प्रकार का अवैध अथवा नया निर्माण न होने दिया जाए। रामघाट के किनारे बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों के स्थान पर भी किसी प्रकार का निर्माण कार्य न कराया जाए। उन्होंने मेले के दौरान एवं उसके पश्चात रामघाट क्षेत्र में साफ सफाई की व्यवस्था निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए। जनपद में आई बाढ़ से कचरा व मलबा हटाने के लिए व मेले की साफ सफाई के लिए लगभग 520 सफाईकर्मी लगाए गए हैं।

यूएस ओपन राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास

न्यूयॉर्क । पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा। 2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6–3, 6–4 से हार का सामना करना पड़ा। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरैक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं।राम और उनके लंबे समय के डबल्स पार्टनर सैलिसबरी टूर्नामेंट के

इतिहास में अकेले ऐसे जोड़ी हैं जिन्होंने मेन्स डबल्स में तीन बार जीत हासिल की है। इंडियाना के रहने वाले राम ने लगातार 26 बार यूएस ओपन पुरुष डबल्स खेला है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है।राजीव राम ने सेमीफाइनल के बाद कहा, वह इस खेल को अलविदा कहने का इससे बेहतर तरीका सोच भी नहीं सकते थे।यूएसओपन.ओआरजी से बात करते हुए राजीव राम ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मेरा परिवार, मेरी पत्नी और मेरी मां वहां थीं। मेरे कॉलेज के कोच और मेरे पुराने पार्टनर एरिक बुटोरैक वहां थे। मेरे पुराने पार्टनर (जो सैलिसबरी), जिनके साथ मेरी बहुत सारी अच्छी यादें हैं, वह भी मेरे साथ वहां थे।राम ने अपना करियर छह बड़े टाइटल के साथ खत्म किया। इसमें दो मिक्स्ड और चार पुरुष में, और 32 एटीपी डबल्स टाइटल हैं। वह 2023 में नंबर 1 रैंकिंग पर पहुंचे, छह मास्टर्स टाइटल और दो ओलंपिक सिल्वर मेडल जीते। यूएस डेविस कप टीम में अहम योगदान दिया।यूएस ओपन में राम का दबदबा दिखा। उन्होंने और सैलिसबरी ने लगातार 20 जीत हासिल कीं, जिसमें 2021 से 2023 तक लगातार तीन खिताब शामिल हैं। यह एक ऐसा कारनामा है जो किसी दूसरी पुरुष टीम ने कभी हासिल नहीं किया।राम ने कहा, उम्मीद है कि कोई न कोई इसे कभी न कभी करेगा, लेकिन मुझे लगता है कि हम कह सकते हैं कि यह हमारे पास कुछ समय के लिए था।

ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया, दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद मोहम्मद सिराज का बयान

चेन्नई ,। दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन और तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। ईस्ट जोन विजेता रही। साउथ जोन की तरफ से खेल रहे भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस मुकाबले में प्रभावी नहीं रहे। मोहम्मद सिराज ने मैच में कुल 41ओवर गेंदबाजी की और महज 1 विकेट ले पाए। इस दौरान उन्होंने 187 रन लुटाए। सिराज के गेंदों की गति भी 125—130 किलोमीटरध्घंटा के बीच रही। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित और प्रभावी तेज गेंदबाज सिराज का यह प्रदर्शन निराशाजनक और क्रिकेट विश्लेषकों और फैंस के लिए चौंकाने वाला था। सिराज का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनको मिले 2 महीने के ब्रेक ने उनकी गेंदबाजी को प्रभावित किया है। इसी वजह से श्रीलंका सीरीज के दौरान गाले और कोलंबो में हुए टेस्ट मैचों में उनकी गेंदबाजी की गति भी कम रही।दलीप ट्रॉफी फाइनल की समाप्ति के बाद सिराज ने कहा, मैं पूरी तरह से एक रिदम गेंदबाज हूं। अगर मैं अपने रंग में नहीं हूं, तो मैं क्रीज से तेजी से नहीं निकल सकता। श्रीलंका में यही मुश्किल थी दृ मेरा रन—अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ स्ट्राइड बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे, और इससे मेरा फ्लो टूट गया। इससे मेरी गति पर असर पड़ा।

सिराज ने कहा, हर गेंदबाज का शरीर अलग होता है। मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं झेल पाता। छोटा ब्रेक ठीक है। दस साल के करियर में, मैंने कभी पूरे दो महीने की छुट्टी नहीं ली थी। मैं जिम में वर्कआउट कर रहा था और कभी—कभी गेंदबाजी भी कर रहा था, लेकिन कितना भी अभ्यास कर लो, मैच वाली स्थिति नहीं बनती। यह एक नया अनुभव था। यह मेरे आगे के करियर के लिए बेहद अहम था।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, हम सीधे श्रीलंका से आए थे, जहां हमने दूसरे टेस्ट में साढ़े तीन दिन फील्डिंग की, और एक सप्ताह के अंदर, हम यहां चेन्नई की चिलचिलाती गर्मी में खेल रहे थे। यह पैशन पर निर्भर है। जब आप अपने देश का

प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं, तो आप बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी कोशिश करनी होती है। मुझे विकेट नहीं मिला, लेकिन यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम आएगा।

सिराज की गेंदबाजी पहली पारी की तुलना में दूसरी पारी में बेहतर रही।उन्होंने कहा, पहली पारी में, पिच फ्रेश लग रही थी, इसलिए मैंने बहुत तेज गेंदबाजी करने की कोशिश की।

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन ,। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चौंपियंस लीग में बोडोध्ग्लिम्ट को 5—0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई।हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री—किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17—मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया।बोडोध्ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए।जीत के बाद केन ने कहा, हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।

यूएस ओपन सबालेंका ने पेगुला को हराकर फाइनल में जगह बनाई, लगातार तीसरे खिताब से एक जीत दूर

न्यूयॉर्क ,। टॉप सीड एरिना सबालेंका लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने से मात्र एक जीत दूर हैं। टॉप सीड एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में तीसरी सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के फाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में एरिना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 7—5, 6—2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सबालेंका ने अपने शानदार सर्विस गेम और जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक से पेगुला को कभी भी मुकाबले में आने ही नहीं दिया। हार के साथ ही पेगुला का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना टूट गया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने ज्यादा कुछ नहीं दिया, शानदार सर्व करते हुए मैच को 12वें गेम तक सर्व पर बनाए रखा, जिसमें सबालेंका 6—5 से आगे थीं। सबालेंका के जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक के बाद पेगुला 0—40 से पीछे हो गईं और अंततरू पहला सेट एरिना के नाम रहा। उन्होंने दूसरे सेट में भी मोमेंटम बनाए रखा, पेगुला के संदिग्ध दूसरे सर्व पर अटैक किया और कॉर्नर में लेजर फोरहैंड मारकर 3—1 की बढ़त के लिए जरूरी ब्रेक हासिल किया। आठवें गेम तक बाकी सेट सर्व पर ही चला, जब पेगुला ने मैच पॉइंट देने के लिए लंबा रिटर्न मारा। सबालेंका ने एक और जबरदस्त फोरहैंड मारकर जीत पक्की कर दी। साबालेंका ने अपनी जीत में सात एस और 29 विनर लगाए। टूर्नामेंट में सबालेंका का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शजीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसा टेनिस खेल पाई। मैं जीतने के लिए बहुत बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह चाहती थी।सबालेंका अगर यूएस ओपन 2026 का खिताब जीतने में सफल रहती हैं, तो लगातार 3 बार ये खिताब जीतने वाली क्रिस एवर्ट और सेरेना विलियम्स बाद तीसरा महिला होंगी। यूएस ओपन में सबालेंका का यह लगातार चौथा फाइनल है।

भारतीय शेयर बाजार वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से लाल निशान में खुलाय निफ्टी 23,300 के नीचे

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। सुबह 9रू16 पर सेंसेक्स 707 अंक या 0.95 की गिरावट के साथ 74,192 और निफ्टी 238 अंक या 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,238 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का काम मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर लाल निशान में थे।

केवल निफ्टी आईटी ही हरे निशान में था।लार्जकैप के साथ—साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी दबाव देखा जा रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 868 अंक या 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61,488 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 284 अंक या 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,756 पर था।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईटीसी, भारती एयरटेल, टीसीएस और अदाणी पोर्ट्स गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, इटरनल, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और मारुति सुजुकी लूजर्स थे।ज्यादातर वैश्विक बाजारों में लाल निशान में कारोबार हो रहा था। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे, जिसमें डाओ जोन्स 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

जानकारों ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण मार्केट के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 108 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। अगर यह ऊंची कीमत बनी रहती है या फिर और बढ़ जाती है, तो भारत की जीडीपी ग्रोथ और उसके नतीजतन कॉर्पोरेट की कमाई पर इसका असर काफी ज्यादा होगा। एक और बड़ी मुश्किल अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी है। 10—साल की यील्ड, जो अभी 4.96 प्रतिशत पर है, 5 प्रतिशत के स्तर के करीब पहुंच रही है।

ब्रेंट क्रूड 105 डालर प्रति बैरल के पार, अमेरिका-ईरान संघर्ष बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति पर चिंता गहराई

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को तेज उछाल देखने को मिला और ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं गहरा गई हैं। इसके साथ ही चीन की मजबूत खरीदारी और सऊदी अरब के तेल उत्पादन में भारी गिरावट ने भी कीमतों को ऊपर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड वायदा कीमतों में लगभग 2.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 104 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। इससे पहले पिछले सत्र में वैश्विक मानक तेल बेंचमार्क 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया था, जो जुलाई के बाद पहली बार हुआ था। अब कीमतें मई के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।तेल की कीमतों में आई इस तेजी ने दुनिया भर में ऊर्जा आधारित महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल के साथ—साथ प्राकृतिक गैस और डीजल जैसी ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों पर भी दबाव बना रह सकता है, जिसका असर वैश्विक महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर पड़ सकता है।पिछले एक सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ा है।

अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद दोनों देशों के बीच टकराव तेज हो गया है और फिलहाल हालात में तत्काल सुधार की संभावना कम दिखाई दे रही है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा है कि तेहरान अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के सामने झुकने वाला नहीं है और यदि अमेरिका ईरानी क्षेत्र पर हमले जारी रखता है तो जवाबी कार्रवाई और तेज की जाएगी। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह संघर्ष नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद तक जारी रह सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की कीमतों में उल्लेखनीय राहत निकट भविष्य में मिलना मुश्किल हो सकता है। इन बयानों ने बाजार में यह धारणा मजबूत की है कि अब सातवें महीने में पहुंच चुका यह संघर्ष ऊर्जा बाजारों पर लंबे समय तक दबाव बनाए रख सकता है।अगस्त की शुरुआत में दर्ज निचले स्तरों की तुलना में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अब तक लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी समझौते के प्रयास सफल नहीं हो सके और अगस्त के अंत में संघर्ष दोबारा तेज होने से खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।तेल बाजार पर दबाव का एक और बड़ा कारण सऊदी अरब के उत्पादन में तेज गिरावट है। गुरुवार को प्रकाशित ओपेक की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में सऊदी अरब का उत्पादन घटकर 62 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो वर्ष 2026 का सबसे निचला मासिक स्तर है। यह जुलाई की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत कम है। उत्पादन में यह कमी ऐसे समय आई है जब यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के पश्चिमी तट से होने वाली तेल आपूर्ति को निशाना बनाने की धमकी दी है।

फिनटेक वित्तीय समावेशन को दे रहा नई उंचाई, गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में निभा रहा अहम भूमिका आरबीआई गवर्नर

मुंबई ,। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि फिनटेक कंपनियां भारत के वित्तीय तंत्र की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई का प्रयास फिनटेक कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का है, ताकि देश के हर व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाई जा सकें, डिजिटल धोखाधड़ी को कम किया जा सके और बैंकिंग सेवाओं की लागत घटाई जा सके।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन, ग्राहक—केंद्रित सेवाएं और सुरक्षित डिजिटल वित्तीय

प्रणाली आरबीआई की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की मदद से वित्तीय सेवाओं को लोगों के गांवों और घरों तक पहुंचाना ही भविष्य की दिशा है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, फिनटेक हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है, और हमारा प्रयास है कि हम उनके साथ और अपने वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं के साथ मिलकर काम करें, ताकि पूरे भारत में हम वित्तीय समावेशन, ग्राहक—केंद्रितता और डिजिटल धोखाधड़ी को कम करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य को प्राप्त कर सकें, साथ ही बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए लागत को भी कम कर सकें। उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य इन लक्ष्यों को पूरा करने और वित्तीय प्रणाली को सभी लोगों के करीब लाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना है—उनके गांवों और घरों तक पहुंचना है।इससे पहले जीएफएफ 2026 कार्यक्रम में बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने बताया कि देश में वर्तमान में 57 करोड़ प्रधानमंत्री जनधन खाते, 25 करोड़ माइक्रो इंश्योरेंस पॉलिसियां और 9 करोड़ अटल

भारत का एयरोस्पेस बाजार 2035 तक 61 अरब डालर तक पहुंचेगा, एमएसएमई के लिए खुलेंगे बड़े अवसर रू राम मोहन नायडू

नई दिल्ली । केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि भारत का एयरोस्पेस मार्केट वर्ष 2025 के 30 अरब डॉलर से अधिक के स्तर से बढ़कर 2035 तक लगभग 61 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में देश के वाणिज्यिक विमान बेड़े का आकार भी दोगुना से अधिक होकर करीब 2,050 विमानों तक पहुंच सकता है, जिससे भारतीय विनिर्माण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति शृंखला का हिस्सा बनने का बड़ा अवसर पैदा होगा। सीआईआई और नागर विमानन मंत्रालय की संयुक्त पहल वोर्टेक्स 2026 को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि सरकार भारत में एक मजबूत एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एवियोनिक्स क्षेत्र में अवसर तलाश सकते हैं, प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियां एयरोस्पेस कलपुर्जों के निर्माण में प्रवेश कर सकती हैं और ऑटोमोबाइल उद्योग को आपूर्ति करने वाले एमएसएमई भी एयरोस्पेस क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के ऑटो कंपोनेंट उद्योग, जिसका आकार आज लगभग 70 अरब डॉलर है, और मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र की सफलता एयरोस्पेस उद्योग के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत में उपयोग होने वाले लगभग 99 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही निर्मित हो रहे हैं।और इसी तरह की सफलता एयरोस्पेस क्षेत्र में भी हासिल की जा सकती है।मंत्री ने कहा कि एमएसएमई निर्यात में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नई नवेली दुल्हन यामी गौतम पर होगा डायन होने का शक, दशहरे पर रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाली हैं। उनकी अगली फिल्म नई नवेली की घोषणा हो चुकी है और इसकी पहली झलक ने कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में यामी एक ऐसी दुल्हन का किरदार निभाएंगी, जो अपने नए परिवार की जिंदगी को खुशियों से भर देती है। कहानी में असली मजा तब आता है, जब परिवार का एक सदस्य उसी दुल्हन पर शक करने लगता है।अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो ने फिल्म की घोषणा करते हुए इसकी रिलीज डेट की भी जानकारी दी है। नई नवेली 16 अक्टूबर को दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की पहली झलक साझा करके कैप्शन में लिखा, नई नवेली दुल्हन (डायन), इस दशहरे इंडिया की अपनी फैंटेसी फैमिली–एंटरटेनर फिल्म के लिए तैयार हो जाएं।इस छोटी सी झलक के साथ ही फिल्म की कहानी को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द–गिर्द घूमती है, जो देखने में बिल्कुल आदर्श लगती है। वह मेरठ के एक ऐसे परिवार में पहुंचती है, जहां पहले से ही काफी उथल–पुथल है। अपनी समझदारी और प्यार से वह इस बिखरे हुए परिवार को खुशहाल बनाने की कोशिश करती है।

देखते ही देखते जिस घर में परेशानियां थीं, वहां खुशियां आने लगती हैं। इसी बीच उसके देवर को अपनी भाभी पर शक होने लगता है। उसे लगता है कि इतनी अच्छी और परफेक्ट भाभी के पीछे कोई राज जरूर है और कहीं वह वास्तव में डायन तो नहीं। यही शक फिल्म की कहानी को हास्य और रोमांच से जोड़ता है।नई नवेली का निर्देशन बालाजी मोहन कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। निर्माता आनंद एल राय ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, नई नवेली ऐसी कहानी है, जो हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाती है।

जब मैंने हिमांशु शर्मा के साथ पहली बार इस कहानी पर चर्चा की, तो हमें इसका विचार काफी पसंद आया। फिल्म परिवार को केंद्र में रखते हुए फैंटेसी, हास्य और रोमांच को एक साथ लेकर

चलती है। आनंद एल राय ने यामी गौतम को फिल्म के लिए बिल्कुल सही चुनाव बताया। उन्होंने कहा, यामी के अंदर इस किरदार को निभाने के लिए सारे गुण हैं।

प्राइम वीडियो इंडिया और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के एसवीओडी ओरिजिनल्स के निदेशक एवं प्रमुख निखिल मधोक ने भी यामी गौतम और फिल्म की टीम की तारीफ की।

वद्दी कासुला वाडा में भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका में नजर आएंगे रवि मोहन, निर्माताओं ने जारी किया विशेष पोस्टर

तमिल सिनेमा के चर्चित अभिनेता रवि मोहन अब तेलुगु फिल्म वद्दी कासुला वाडा में भगवान वेंकटेश्वर की विशेष भूमिका निभाते नजर आएंगे। अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म निर्माताओं ने उनके किरदार की आधिकारिक घोषणा की। निर्माताओं ने एक विशेष पोस्टर जारी करते हुए रवि मोहन का फिल्म में भगवान गोविंदा के रूप में स्वागत किया।

जारी किए गए पोस्टर में भगवान वेंकटेश्वर का हाथ एक मानव के हाथ को थामे हुए दिखाई दे रहा है। पोस्टर के साथ भक्तिभाव से जुड़ा संदेश भी साझा किया गया। निर्माताओं ने रवि मोहन के किरदार को भगवान गोविंदा के रूप में पेश करते हुए कहा कि वे हर दिल में बसते हैं।

रवि मोहन के इस विशेष किरदार के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। मंचू मनोज अभिनीत यह फिल्म एक अनोखी और मनोरंजक मध्यमवर्गीय हास्य कहानी के रूप में तैयार की जा रही है। फिल्म में हास्य और भावनात्मक प्रसंगों के साथ धार्मिक एवं पौराणिक तत्वों को भी कहानी का हिस्सा बनाया गया है।

निर्माताओं को उम्मीद है कि भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका में रवि मोहन की मौजूदगी फिल्म को एक अलग पहचान देगी। उनके किरदार को फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में शामिल माना जा रहा है।

वद्दी कासुला वाडाः की कहानी लिखने के साथ निर्देशन तेज उप्पलपति कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण एके एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले रामब्रह्मम सुनकारा कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी में हास्य और भावनाओं के साथ एक अलग तरह का मनोरंजन पेश करने का प्रयास किया जा रहा है। निर्माताओं के अनुसार, कहानी का आधार मध्यमवर्गीय जीवन से जुड़ा है, लेकिन इसमें पौराणिक प्रसंगों को जिस तरह जोड़ा गया है, वह फिल्म को सामान्य हास्य फिल्मों से अलग बनाता है।रवि मोहन के लिए भी यह भूमिका खास मानी जा रही है। तमिल सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह तेलुगु सिनेमा में भगवान वेंकटेश्वर जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक किरदार के माध्यम से

महत्वपूर्ण भूमिका में प्रवेश कर रहे हैं। इससे पहले एन.टी. रामा राव और सुमन जैसे दिग्गज अभिनेता भी भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच अपनी अलग छाप छोड़ चुके हैं। ऐसे में रवि मोहन के लिए इस भूमिका को निभाना चुनौतीपूर्ण होने के साथ–साथ खास उपलब्धि भी माना जा रहा है।निर्माताओं की ओर से रवि मोहन के दिव्य किरदार की आधिकारिक पुष्टि के बाद फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। एक ओर जहां फिल्म में मध्यमवर्गीय जीवन से जुड़े हास्य प्रसंग होंगे, वहीं दूसरी ओर भगवान वेंकटेश्वर का किरदार कहानी में आध्यात्मिक और पौराणिक रंग जोड़ता नजर आएगा।अब दर्शकों को फिल्म के अगले प्रचार अभियान और रवि मोहन के भगवान वेंकटेश्वर के रूप में सामने आने का इंतजार है।

हनुमान अंश की धुआंधार कमाई जारी, 34वें दिन टाक्सिक को पछाड़ा

नीम करौली बाबा पर आधारित फिल्म हनुमान अंश इन दिनों भारतीय सिनेमाघरों में दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। फिल्म को रिलीज हुए पांच सप्ताह हो चुके हैं, लेकिन इसके प्रति दर्शकों का उत्साह कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यही वजह है कि फिल्म की कमाई अब भी शानदार बनी हुई है। रिलीज के 34वें दिन फिल्म ने एक बार फिर दोहरे अंक में कमाई करते हुए कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। आमतौर पर ज्यादातर फिल्में पांचवें सप्ताह तक पहुंचते–पहुंचते सिनेमाघरों से लगभग बाहर हो जाती हैं। वहीं, श्हनुमान अंशः एक महीने बाद भी प्रतिदिन 10 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर रही है, जो अपने आप में उल्लेखनीय है। हालांकि फिल्म के शुरुआती दो सप्ताह अपेक्षाकृत धीमे रहे थे, लेकिन तीसरे सप्ताह से इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसके बाद फिल्म ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। प्रारंभिक कारोबार के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें बुधवार को 10.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इसके साथ ही फिल्म ने पांचवें बुधवार

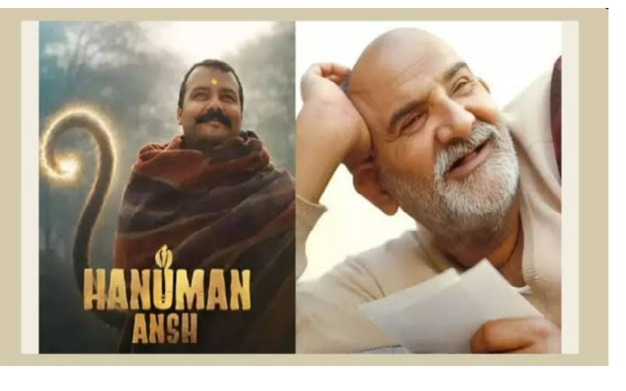

को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया।

श्हनुमान अंशः ने श्धुरंधरः के पांचवें बुधवार के 4.75 करोड़ रुपये के कारोबार को काफी पीछे छोड़ दिया। इस तरह फिल्म ने पांचवें बुधवार को सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।34वें दिन के कारोबार के बाद श्हनुमान अंशः का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 153.13 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वहीं फिल्म की कुल सकल कमाई 180.73 करोड़ रुपये बताई जा रही है।फिल्म की लगातार मजबूत कमाई ने इसे 2026 की सबसे सफल हिंदी फिल्मों की सूची में भी पहुंचा दिया है।

153.13 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई के साथ श्हनुमान अंशः ने रॉकिंग स्टार यश की फिल्म श्टॉक्सिकः के हिंदी संस्करण को पीछे छोड़ दिया है। श्टॉक्सिकः के हिंदी संस्करण ने भारतीय सिनेमाघरों में 143.63 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इस उपलब्धि के साथ श्हनुमान अंशः वर्ष 2026 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गई है। अब फिल्म की नजर शीर्ष पांच में जगह बनाने पर है।

हनुमान अंशः का अगला निशाना आवारापन 2 है, जिसने 156.02 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। श्हनुमान अंशः को शीर्ष पांच हिंदी फिल्मों की सूची में प्रवेश करने के लिए करीब 3 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए माना जा रहा है कि 35वें दिन ही यह आंकड़ा पार हो सकता है।

श्हनुमान अंशः की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए फिल्म का 200 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार वाले क्लब में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। उम्मीद है कि छठे सप्ताहांत तक फिल्म यह उपलब्धि हासिल कर सकती है।

इसके बाद फिल्म की नजर 250 करोड़ रुपये के आंकड़े पर होगी। हालांकि पांचवें सप्ताह के बाद भी जिस तरह दर्शकों का उत्साह कायम है, उससे यह देखना दिलचस्प होगा कि छठे सप्ताह में श्हनुमान अंशः की कमाई किस स्तर तक पहुंचती है।

मिर्जापुर द मूवी की बाक्स आफिस पर दहाड़, छह दिन में कमाए 137 करोड़, वेलकम टू द जंगल के उड़ाए परखच्चे

पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और रवि किशन जैसे सितारों से सजी फिल्म श्मिर्जापुर द मूवीः सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने प्रदर्शन के शुरुआती तीन दिनों में ही अपनी लागत निकाल ली थी और अब यह मुनाफे की ओर तेजी से बढ़ रही है। सप्ताह के बीच के दिनों में भी फिल्म की कमाई की रफ्तार बरकरार है।

अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब शृंखला श्मिर्जापुरः पर आधारित इस फिल्म ने पहले ही दिन शानदार शुरुआत करते हुए 25.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म ने 32 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 36 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे दिन इसकी कमाई 16 करोड़ रुपये रही, जबकि पांचवें दिन फिल्म ने 15. 60 करोड़ रुपये जुटाए।प्रारंभिक कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने प्रदर्शन के छठे दिन यानी बुधवार को करीब 11.80 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही भारत में फिल्म का छह दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 137.15 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

फिल्म की कमाई पर नजर डालें तो श्मिर्जापुर द मूवीः ने पहले दिन से ही लगातार दोहरे अंक में कारोबार किया है। सप्ताह के कामकाजी दिनों में भी दर्शकों की अच्छी संख्या सिनेमाघरों तक पहुंच रही है। यही वजह है कि फिल्म जल्द ही 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है।

मिर्जापुर द मूवी को 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के लिए अब करीब 13 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को

देखते हुए माना जा रहा है कि सातवें दिन ही यह उपलब्धि हासिल हो सकती है।

फिल्म ने कमाई के मामले में कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। श्मिर्जापुर द मूवीः ने श्कॉकटेल 2ः के 104.53 करोड़ रुपये के कुल जीवनकाल कारोबार को पहले ही पीछे छोड़ दिया था। इसके बाद फिल्म ने श्वेलकम टू द जंगलः के 134. 11 करोड़ रुपये के कुल कारोबार को भी मात दे दी।

137.15 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ श्मिर्जापुर द मूवीः अब इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। फिल्म की कमाई की रफ्तार बनी रही तो आने वाले दिनों में इसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है। मिर्जापुर द मूवी लोकप्रिय वेब शृंखला मिर्जापुर पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी।

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, अभिषेक बनर्जी, रवि किशन, जितेंद्र कुमार, रसिका दुग्गल, श्रिया पिलगांवकर और श्वेता त्रिपाठी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने किया है। निर्माण में अमेजन एमजीएम स्टूडियोज का भी सहयोग है। फिल्म की शुरुआती कमाई को देखते हुए इसके आने वाले दिनों में और बेहतर कारोबार करने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिग बास 20 की माही विज कौन हैं? माडलिंग से टेलीविजन तक ऐसा रहा सफर

टेलीविजन की चर्चित अभिनेत्री माही विज ने श्बिग बॉस 20ः में प्रतियोगी के रूप में प्रवेश कर एक बार फिर दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। माही को सबसे ज्यादा लोकप्रियता धारावाहिक श्लागी तुझसे लगनः में नकुशा के किरदार से मिली। इस भूमिका ने उन्हें घर–घर में पहचान दिलाई। हालांकि, माही का मनोरंजन जगत से जुड़ा सफर केवल टेलीविजन तक सीमित नहीं है। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों, संगीत वीडियो और विभिन्न रियलिटी कार्यक्रमों तक उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है।

माही विज श्झलक दिखला जा 4ः, श्नच बलिए 5ः और 'खतरों के खिलाड़ी' के पांचवें तथा सातवें संस्करण में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनय के अलावा रियलिटी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया।

माही विज दिल्ली की रहने वाली हैं। वह काफी कम उम्र में मुंबई आ गई थीं। मायानगरी में आने के बाद उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की। मनोरंजन की दुनिया में पहचान बनाने से पहले उन्हें मुंबई में संघर्ष के दौर से भी गुजरना पड़ा।

मॉडलिंग के बाद माही ने अभिनय की ओर रुख किया। हिंदी टेलीविजन पर लोकप्रिय होने से पहले उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा था। उन्होंने एक मलयालम फिल्म के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस तरह फिल्मों में उनकी पहली मौजूदगी हिंदी सिनेमा के बजाय दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में हुई।

2000 के दशक की शुरुआत में माही विज संगीत वीडियो की दुनिया में भी जाना–पहचाना नाम थीं। उस दौर में उनके संगीत वीडियो काफी लोकप्रिय हुए। डीजे अकील के चर्चित रीमिक्स गीत श्तू तू है वहीः में उनकी मौजूदगी को उनकी शुरुआती लोकप्रिय प्रस्तुतियों में गिना जाता है।

उस समय संगीत चौनलों पर यह वीडियो लगातार प्रसारित होता था और माही की खूबसूरती तथा अभिनय ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाने में मदद की।

माही विज के करियर का सबसे अहम पड़ाव धारावाहिक श्लागी तुझसे लगनः रहा। इसमें उन्होंने नकुशा का किरदार निभाया। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया और देखते ही देखते वह टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने अलग–अलग तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। नृत्य और साहसिक गतिविधियों पर आधारित रियलिटी कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रही।

माही विज की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है। उन्होंने अभिनेता एवं प्रस्तोता जय भानुशाली के साथ गुपचुप तरीके से शादी की थी। दोनों के रिश्ते को लेकर लंबे समय तक प्रशंसकों और मनोरंजन जगत में चर्चा होती रही।

दायरा के लिए साथ आए गुलजार-अमित त्रिवेदी और बी प्राक, टाइटल ट्रैक में बांधा समां

मेघना गुलजार की फिल्म दायरा इस वक्त काफी चर्चा बटोर रही है, जिसमें करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य किरदारों में हैं। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसने लोगों से मिली–जुली प्रतिक्रियाएं हासिल कीं। अब निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक सच का दायरा जारी किया है, जो इस फिल्म का इकलौता गाना होगा। इसके लिए संगीत जगत के 3 महारथी एक साथ आए हैं। इनमें दिग्गज गीतकार गुलजार, संगीतकार अमित त्रिवेदी और गायक बी प्राक हैं।जंगली म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत सच का दायरा बॉलीवुड के पारंपरिक गानों से परे जाकर फिल्म के सत्य, बोध और परिप्रेक्ष्य जैसे विषयों का एक प्रभावशाली रूप में दर्शाता है।इसके बोल गुलजार ने लिखे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी ने दिया है, जबकि आवाज बी प्राक ने दी है। तीनों ने मिलकर ऐसा गाना बनाया है, जो फिल्म की कहानी का विस्तार प्रतीत होता है।बता दें, दायरा 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हुंकार–द रोर के ट्रेलर में गूंजी सच्चाई की आवाज, अनीत–फातिमा का दिखा दमदार अंदाजजियोहॉटस्टार ने हुंकार–द रोर का ट्रेलर जारी किया है, जिसकी कार्यकारी निर्माता प्रियंका चोपड़ा हैं। इस क्राइम थ्रिलर सीरीज में मुख्य किरदार अनीत पड्डा निभाती नजर आएंगी और उनके साथ फातिमा सना शेख भी महत्वपूर्ण किरदार में शामिल हैं। मीनू रावत के किरदार में अनीत ने ट्रेलर में जहां क्राइम के खिलाफ साहस का प्रदर्शन किया है, तो वहीं महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका में फातिमा दमदार नजर आई हैं। इसका निर्माण बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने किया है।करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया द्वारा निर्देशित, हुंकाररू द रोर का ट्रेलर क्राइम, दबदबा और साहस का पुरजोर प्रदर्शन करता है।17 साल की मीनू (अनीत) प्रभावशाली बापजी के शोषण का शिकार होती है, लेकिन वह हार न मानकर आवाज उठाने का दम रखती है। इस जंग में सबूत से लेकर उसके अपने तक एक कदम पीछे हटते हैं, लेकिन वह हार नहीं मानती।इस सच की लड़ाई में फातिमा के किरदार ने अहम भूमिका निभाई है।हुंकाररू द रोर का ट्रेलर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, जब एक लड़की की आवाज आएगी समाज की भक्ति से, तो जीत किसकी होगी?यह एक ऐसी युवती की कहानी है, जो विद्रोह, शक्ति, विश्वास और निर्णय जैसे विषयों को उजागर करती है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।